बर्षः- 06
अंकः- 119
मुरादाबाद
(Thursday)
20 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

जंतर-मंतर पार्ट दोः जेन-जी में पैठ के लिए पुराने वादों में नए मुद्दों की तलाश

काक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) जंतर-मंतर पार्ट दो के लिए बड़ी जमीन तैयारी कर रही है। अपने साथ जेन-जी को और मजबूती से जोड़ने के लिए अब भर्तियों में गड़बड़ियों के पीड़ितों को भी बड़े पैमाने पर साथ लाने की तैयारी चल रही है। उनकी नजर प्रयागराज में डेलीगेसी में रहने वाले वे करीब डेढ़ लाख युवा हैं, जो जागरूक भी हैं और मुखर भी। इसके लिए पिछले करीब 10-12 वर्ष में निकली भर्तियों, उनकी चयन प्रक्रिया में हुई गड़बड़ियों, गलत और सिलेबस से बाहर के सवालों की फेहरिस्त तैयार की जा रही है। नई दिल्ली से सीजेपी के कुछ युवाओं की गुपचुप चल रही मुहिम में प्रयागराज और आसपास के जेन-जी के वो चेहरे भी जुड़ रहे हैं, जो पिछले दिनों यहीं स्थित एक आयोग की परीक्षा के 29 सवाल आउट ऑफ सिलेबस होने पर पर्दे के पीछे रहकर मामले को हाईकोर्ट तक ले गए थे। बाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट में उस आयोग ने 33 सवालों को लेकर एक तरह से अपनी गलती मान ली थी। इसके अलावा इस मुहिम को वे युवा भी आगे बढ़ा रहे हैं, जो कई भर्ती परीक्षा लेट होने के कारण ओवरएज हो जा रहे हैं।प्रयागराज की डेलीगेसी में रहने वाले जेन-जी को तर्क के साथ खुद से जोड़ने और उनका हितैषी साबित करने के लिए सीजेपी की ओर से पहले जब यूपीपीएससी की परीक्षा गड़बड़ी के लिए आयोग के सदस्यों को घेरने के लिए आंदोलन हुआ था, तब वर्तमान सरकार ने जो वादे किए थे, उन पर कितना अमल हुआ। इसके बाद क्या परीक्षा के पैटर्न में सुधार दिखा। 2- शिक्षा चयन आयोग बनने के बाद क्या शिक्षकों की रिक्त सीटों पर भर्ती समय पर हो सकीं। बार-बार अधियाचन अपलोड होने में देरी, अधियाचन में गड़बड़ी और फिर बार-बार परीक्षा टलने से कितना नुकसान जेन-जी को उठाना पड़ा है। 3- विभिन्न विभागों में छोटी-छोटी भर्तियां अटकी हैं। उनका डाटा तैयार किया जा रहा है कि साल 2014 से पहले उस विभाग या कैडर में कितने पद होते थे, अब कितने हैं और उनमें कितने पदों पर किसी की तैनाती है। भर्ती न होने का मुद्दा उठेगा। 4- सबसे अहम, बड़ी संख्या में जेन-जी के सामने कुछ विशेषज्ञ बताएंगे कि तकनीक का सहारा लेकर कितनी आसानी से लागू किया जा सकता था भर्ती कैलेंडर। लेकिन, जिम्मेदारों के ध्यान न देने से पहले भर्तियों और फिर परिणाम में देरी हुई।

बाकायदा प्रश्न-समूह तक तैयार किया गया है। इसमें पूछा जा रहा है कि आप किस परीक्षा में कब बैठे। उस परीक्षा में कोई गड़बड़ी क्या उस समय हुई थी। क्या सवाल सिलेबस से बाहर थे। क्या सवाल गलत होने पर सबको समान अतिरिक्त नंबर मिलने का कोई फायदा हुआ था। इसके साथ ही डेलीगेसी के बच्चों को सबसे ज्यादा इस बात पर जोड़ा जा रहा है कि भर्ती परीक्षाएं समय पर न कराने से उनको कितना नुकसान हो रहा है।ऐसे बड़े सवाल किए जा रहे तैयार- 1-करीब 12 साल

संक्षिप्त समाचार

चीनी के दामों में लगी आग, 65 रुपये प्रति किलो तक पहुंची कीमतें

त्योहारी सीजन के पहले ही चीनी के दामों में आग लग गई है। चीनी के दाम आसमान छू रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अभी दाम और बढ़ेंगे। त्योहारी मौसम शुरू होने से पहले ही चीनी के दामों में तेजी आई है। खुदरा बाजार में चीनी पहली बार 65 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। कारोबारियों के अनुसार, पिछले 15 दिन में इसके दाम करीब 15 रुपये प्रति किलो तक बढ़े हैं। कारोबारियों का कहना है कि सीजन के अंतिम दौर में चीनी का भंडार कम है। मांग के मुकाबले आपूर्ति घटने से दाम लगातार बढ़ रहे हैं। कारोबारियों के मुताबिक, बाजार में मांग की तुलना में करीब आधी ही चीनी की आपूर्ति हो पा रही है। आने वाले दिनों में रक्षाबंधन, गणेशोत्सव, जन्माष्टमी और दिवाली जैसे त्योहारों से मांग और बढ़ेगी।

इससे चीनी के दाम में और तेजी आने की आशंका है।पहली बार 60 रुपये किलो के ऊपर पहुंचा भाव- न्यू हैदराबाद के फुटकर किराना व्यापारी संतोष गुप्ता ने बताया कि 15 दिन पहले चीनी 48-50 रुपये किलो बिक रही थी। अब इसका भाव बढ़कर 65 रुपये किलो तक पहुंच गया है।

फतेहगंज के थोक कारोबारी संजय जयसवानी के मुताबिक, पहली बार चीनी के भाव 60 रुपये किलो से ऊपर पहुंचे हैं।उत्पादन में कमी और एथेनॉल को प्राथमिकता- कारोबारियों का कहना है कि इस बार चीनी का उत्पादन पिछले साल के मुकाबले करीब पांच फीसदी कम रहा है।

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठकः पेपर लीक से चढ़ावा चोरी तक, खरगे ने पीएम मोदी और केंद्र सरकार पर साधा जमकर निशाना

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी की कार्यसमिति की बैठक में युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार पर कई आरोप लगाए। उन्होंने शिक्षा की बढ़ती लागत, शिक्षण संस्थानों में आरएसएस से जुड़े लोगों के बढ़ते प्रभाव और भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों का जिक्र किया। खरगे के मुताबिक इन परिस्थितियों ने युवाओं में असंतोष बढ़ाया है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में केंद्र सरकार को निशाना पर लिया। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में बुधवार को मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर युवाओं के भविष्य को लेकर गंभीर आरोप लगाए। खरगे ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में मोदी सरकार ने युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने महंगी होती शिक्षा और संस्थानों में आरएसएस के लोगों के कब्जे की बात कही। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा महंगी होती जा रही है और शैक्षणिक संस्थानों पर आरएसएस से जुड़े लोगों का कब्जा बढ़ता जा रहा है। खरगे ने कहा कि शिक्षा पूरी करने के बाद जब युवा नौकरी की तलाश में निकलते हैं तो उन्हें पेपर लीक और भर्ती परीक्षा घोटालों जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि युवाओं में गुस्सा पैदा हो गया है, लेकिन सरकार ने उनकी बात कभी नहीं सुनी। इसके कारण उन्हें सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि संसद के मानसून सत्र के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सवालों से बचने की कोशिश की। अब युवाओं की ओर से उठाए गए सवालों के बजाय गैर-मुद्दों को प्राथमिकता दी जा रही है।राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर भी मोदी सरकार को घेरा - उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि कांग्रेस युवाओं के लिए 卐शिक्षा से रोजगार रोडमैप卐 तैयार करे। राम मंदिर चढ़ावे से जुड़े कथित चोरी के मुद्दे पर खरगे ने कहा कि वित्तीय अनियमितता की जांच होनी चाहिए और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।खरगे ने कहा कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे से ध्यान भटकाने की भाजपा जितनी कोशिश करेगी, जनता का संदेह उतना ही गहरा होता जाएगा। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर लोगों से माफी मांगने और उनके सवालों के जवाब देने की मांग की।

संजय सिंह बोले- चंपत राय को क्लीन चिट क्यों दी? जांच सही नहीं हुई तो सुप्रीम कोर्ट जाऊंगा

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े जमीन प्रकरण में कथित क्लीन चिट पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने एसआईटी को 26 दस्तावेज सौंपने के लिए समय मांगा है। संजय सिंह ने निष्पक्ष जांच नहीं होने पर सभी साक्ष्यों के साथ सुप्रीम कोर्ट जाने की चेतावनी दी।आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े जमीन प्रकरण में चंपत राय और अनिल मिश्रा को एसआईटी की ओर से कथित तौर पर क्लीन चिट दिए जाने की खबरों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर सुप्रीम कोर्ट की ओर से एसआईटी से स्टेटस रिपोर्ट मांगे जाने की बात सामने आ रही है, वहीं दूसरी ओर आरोपियों को क्लीन चिट दिए जाने की खबरें प्रकाशित हुई हैं। उन्होंने दोनों के बीच कथित अंतर्विरोध को स्पष्ट करने की मांग की। संजय सिंह ने एसआईटी अध्यक्ष किरन यस को पत्र लिखकर जमीन प्रकरण से जुड़े 26 दस्तावेज सौंपने के लिए 20 से 23 अगस्त के बीच समय मांगा है। उनका दावा है कि इनमें 13 पुराने और 13 नए दस्तावेज शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये दस्तावेज जांच को वास्तविक निष्कर्ष तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण हो सकते हैं।24 करोड़ की जमीन खरीदे जाने का आरोप लगाया- संजय सिंह ने आरोप लगाया कि चंपत राय के हस्ताक्षर वाले दस्तावेजों में जमीन की खरीद को लेकर गंभीर अनियमितताएं सामने आती हैं। उनका दावा है कि दो करोड़ रुपये की जमीन पांच मिनट के भीतर साढ़े 18 करोड़ रुपये में खरीदी गई। उन्होंने नौ करोड़ की जमीन 55 करोड़ और 1.73 करोड़ रुपये की जमीन 24 करोड़ रुपये में खरीदे जाने का भी आरोप लगाया। कथित तौर पर क्लीन चिट पर उठाए सवाल संजय सिंह ने कहा कि यदि मामला अभी जांच के स्तर पर है और सुप्रीम कोर्ट ने स्टेटस रिपोर्ट मांगी है तो कथित तौर पर क्लीन चिट दिए जाने की खबरों की स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य आरोपियों को बचाना राम भक्तों के साथ विश्वासघात है।आप सांसद ने कहा कि वह जांच में सहयोग करना चाहते हैं और इसी वजह से एसआईटी को सभी दस्तावेज सौंपने के लिए समय मांग रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन दस्तावेजों के आधार पर निष्पक्ष और पारदर्शी जांच नहीं हुई तो वह सभी सुबूत लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में वह लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले से जुड़े तथ्य जनता के सामने रखेंगे और एसआईटी से पूर्व में सौंपे गए दस्तावेजों पर हुई कार्रवाई की जानकारी भी मांगेंगे।

जौहर ट्रस्ट पर हुई छापेमारी पर अखिलेश यादव ने उठाए सवाल, कहा- सांप्रदायिक सोच के चलते कार्रवाई

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए जौहर ट्रस्ट पर हुई ईडी की छापेमारी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने भाजपा पर सीधा हमला बोला। सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार शिक्षा, शिक्षक व शिक्षार्थी विरोधी है। स्कूल बंद करवाने वाले भाजपा नेता और उनके संगी-साथी यूनिवर्सिटी बनाने वालों के खिलाफ ईडी की छापेमारी कर रहे हैं, जिससे कि उनके 1-2 फीसदी बचे हुए सांप्रदायिक व संकीर्ण सोच के समर्थकों को संतुष्ट कर पाएं। जबकि, उन भ्रष्टाचारियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही, जो तमाम आपराधिक कांडों में संलिप्त हैं। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार में राममंदिर के चोर, सत्ता सजातीय अपराधी, कोडीन कांडी, भाजपाकाल में निर्मित बदहाल बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे, हिचकोले वाला पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे, दरारी ग्रीन कॉरीडोर के लिए जिम्मेदार लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इन्हें सत्ता का संरक्षण है।अखिलेश यादव ने कहा है कि ई-20 पेट्रोल पर सरकार या सलाहकार में कौन सही है। मिलावटी पेट्रोल ई- 20 से खराब हुई गाड़ियों को खींचकर ले जाने वाले बाइक-कार वाले पूछ रहे हैं, एक तरफ तो सरकार कह रही है ई-20 में सब ठीक है, तो दूसरी तरफ सलाहकार कह रहे हैं कि ई- गाड़ियों के लिए नुकसानदेह है। भाजपा सरकार ई-20 के परिणाम भुगत रही आम जनता से सीधे संवाद करके क्यों नहीं पूछ लेती की सच क्या है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया अधिकार: कहा- बुजुर्गों की संपत्ति पर ट्रिब्यूनल को फैसले का हक; दिया आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों को लेकर अहम कानूनी स्थिति स्पष्ट की है। अदालत के अनुसार, संबंधित ट्रिब्यूनल जरूरत पड़ने पर बुजुर्ग की संपत्ति से बच्चों को बाहर करने का निर्देश दे सकता है। यह अधिकार वरिष्ठ नागरिक की देखभाल, सुरक्षा और सम्मान बनाए रखने से जुड़ा है। मामले में लखनऊ की संपत्ति को लेकर बेटे और बहू के खिलाफ जारी बेदखली आदेश को शीर्ष अदालत ने सही माना।सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर दोहराया कि माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत गठित ट्रिब्यूनल को वरिष्ठ नागरिक की संपत्ति से उसके बच्चों को निकालने का आदेश देने का अधिकार है। अदालत के मुताबिक, वरिष्ठ नागरिक के भरण-पोषण, सुरक्षा और सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए जरूरत पड़ने पर ऐसा आदेश दिया जा सकता है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने कहा, 卐हमें यह मानने में कोई संकोच नहीं है कि अधिनियम के तहत गठित ट्रिब्यूनल के पास वरिष्ठ नागरिक के भरण-पोषण या सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए उसे संपत्ति से निकालने का आदेश देने की शक्ति है। अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसके जरिए ट्रिब्यूनल के उस फैसले को पलट दिया गया था, जिसमें अपीलकर्ता की संपत्ति से उसके बेटे और बहू को निकालने का आदेश दिया गया था। यह मामला लखनऊ के विकास नगर स्थित एक आवासीय मकान के मालिक रवि कांत गुप्ता की अपील से जुड़ा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुप्ता के बेटे और बहू को घर से निकालने के आदेश को रद्द कर दिया था। मामला तब सामने आया जब गुप्ता की 81 वर्षीय मां को कथित तौर पर घर छोड़कर वृद्धाश्रम में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद गुप्ता ने 5 जून 2022 को 2007 के अधिनियम के तहत अपने बेटे को संपत्ति से निकालने के लिए जिलाधिकारी के समक्ष आवेदन किया।15 नवंबर 2022 को उपमंडल मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में पाया कि संपत्ति गुप्ता की स्वयं अर्जित संपत्ति थी। आदेश में यह भी दर्ज किया गया कि उनके बेटे ने अपनी दादी को घर में रहने की अनुमति नहीं दी और परेशानी पैदा की। इसके बाद एसडीएम ने बेटे को घर से निकालने का आदेश दिया। जिलाधिकारी ने भी बरकरार रखा आदेश- जिलाधिकारी ने 9 अगस्त 2023 को एसडीएम के आदेश को बरकरार रखा। उन्होंने बेटे और उसकी पत्नी को संपत्ति का कब्जा गुप्ता को सौंपने का निर्देश दिया।

संपादकीय Editorial

We Don't Care Parliament

Rahul Gandhi and Amit Shah are essentially both Lok Sabha MPs. Since Rahul is the leader of the Congress parliamentary party, the largest opposition party, he has been designated the "Leader of the Opposition." Amit Shah is a member of Prime Minister Modi's cabinet and has been assigned the responsibility of Home Minister. Neither leader is "supreme" to Parliament, nor is the Lok Sabha their property. Both are accountable to Parliament and bound by rules and procedures. Home Minister Amit Shah was absent from Parliament after the student and youth protests in Delhi. Being present in his chamber in Parliament and being present in the House are completely different situations. The Home Minister should have issued a statement in both Houses and provided clarifications about the brutal attacks on protesters during and after the protests. This was his constitutional obligation. The opposition, led by Rahul Gandhi, consistently demanded that the Home Minister come to the House and explain why pellet guns were used, why nail-studded batons were used, and who gave the order? The opposition used words like "missing," "gone missing," "fugitive," or "escaped" to describe the Home Minister because he neither appeared nor gave a statement. These unruly, unparliamentary words should not have come to this. As a result, Parliament was repeatedly adjourned. The monsoon session began on July 20th and met for 18 days until Wednesday, August 12th, but the Lok Sabha could not transact even 17 hours of work. Amid the opposition's uproar, noise, and sloganeering, nine bills had to be passed by voice vote in 59 minutes. Each bill received an average of 3-5 minutes, and no discussion was held on any bill. Only about 31% of work was accomplished in the Rajya Sabha. Over 118 crore rupees of taxpayer money was squandered in these 18 days, even though MPs' allowances are a separate expense. Is this how Parliament was meant to squander the nation's money and pass bills without discussion? It's also relevant here that our Parliament now meets on average only 50-65 days a year, and even then, there's uproar. In countries like the US, UK, and Japan, Parliament works for 140-160 days a year. Most of our "honorables" may not be aware of this comparison! However, when the monsoon session was about to be sine die (adjourned sine die), Home Minister Amit Shah came forward and promised to answer every question. He also questioned what he would have done in the House when the House was in turmoil and proceedings were constantly being adjourned. Our question here is: did the Home Minister never enter the House amid the uproar and sloganeering? Didn't he present his views amidst the noise? When Article 370 was being repealed, how much noise did the opposition create in the House? Didn't the Home Minister read out his proposal? However, when the Home Minister agreed to a detailed, point-by-point debate and accountability, Leader of the Opposition Rahul Gandhi said, "We have no interest in listening to the Home Minister's lecture." We don't care what he will say. He should give a direct answer on the pellet guns and lathicharge. The Leader of the Opposition then began demanding the Home Minister's resignation. If the Home Minister ordered the pellets and lathicharge, or someone else did, and the Home Minister was unaware of it, or whoever was responsible for the brutal attack, the Home Minister should resign. Is this the way Parliament operates and the system works? Opposing the Home Minister's statement and only hearing a reply could be Rahul Gandhi's stubbornness and arrogance. The Speaker determines the House's procedure. Decisions regarding this matter are made in the Business Advisory Committee (BAC).

A safe digital world, growing concern about children's mental health

Keeping the digital world safe is crucial for children's mental health. A US court has fined Facebook and Instagram's parent company, Meta, over ?5,000 crore. The court has directed the company to make changes to its platform to protect children. A US court has fined Meta, the parent company of Facebook and Instagram, approximately ?5,390 crore for its negative impact on children's mental health. The company earned over $60 billion last year. More significant than the fine is the court's order that the company must make changes to its platform to protect children. The company failed. A New Mexico court acknowledged that social media platforms are detrimental to children's health. These platforms are deliberately designed to become addictive. The company has also failed to protect minors from sexual exploitation.

Fine imposed in the US. The court has ordered a portion of the sum to be spent on victims, demonstrating that social media companies cannot shirk responsibility. They must pay the price for the problems they have caused in society. This is the first time a social media company has been put on trial in this manner,

and the problem for Meta is that similar lawsuits are ongoing in several other US states. Earlier in March, Meta was fined over ?3,500 crore. Illegal Content. There is a global debate about the extent to which children should be allowed to use social media. Many countries have implemented age limits. However, the pressing issue is the need to curb the arbitrary actions of social media companies.

Meta is also embroiled in constant controversy in India. Facebook apologized for removing a video of PM Narendra Modi from Facebook. While this may have been a technical error, it has admitted to promoting illegal content through paid promotions. In July of this year, the central government issued a notice stating that a ban is not the solution.

The US court has ordered Meta to adopt several security measures over the next five years. Similar steps could be implemented elsewhere, as the digital world is not limited to any one country. However, it should be noted that a complete ban is not the solution; what is needed is accountability and control.

The Intimacy Gap: One Doesn't Speak, the Other Doesn't Listen

Intimacy in relationships isn't just physical, but also built on emotional connection and open communication. Society often teaches women to suppress their desires, leading to silence and distance in relationships. The solution is to unabashedly share your likes and dislikes and understand your partner's perspective. True closeness comes only through honest communication. In our country, there's a beautiful line about relationships that's often repeated: "It's a union of two hearts." It sounds so good that we believe it. But the interesting thing is that once this union moves into a closed room, it often becomes a little one-sided. One person speaks openly, while the other is a little cautious, a little thoughtful, and largely silent. We're talking about fantasies during intimate moments. It's no secret that both partners have these fantasies. The only difference is that men's fantasies are socially valid, while women's are privately censored. Simone de Beauvoir wrote, "One is not born, but rather becomes, a woman." A woman is not born, but rather made. In our country, part of this becoming, or the making of a woman, is that a girl gradually learns to edit her desires: what

to think, what not to think, and most importantly, what never to say. Pick up any psychological study. Relationship experts like Esther Perel repeatedly say that desire isn't just physical; it's also shaped by our imagination and emotional connection. And in this regard, women are no less. Often, their fantasies are deeper, more layered, more nuanced. But the problem here is that women's desires are still often understood in opposition to men's desires, as if women are not independent entities in themselves. A common scene is Rahul and Anjali, newly married. Rahul easily and unhesitatingly says whatever he sees or hears, like, "Anjali, should we try something new today?" Anjali smiles and says, "Yes." But when Anjali feels like saying something—a little different, a little in her own way—her words get stuck in her throat. The fear isn't huge, but it's clear that he might misunderstand her or be mistaken for a bad woman. This fear of being mistaken for a bad woman is the biggest reason for Indian women's silence. In our country, bold words are more of a tag than a compliment. When men express their desires, they're called expressive. If a woman says the same thing, the question arises: how does she know so much? She must have had bad company or had a strange past. It's as if knowing something is a crime in itself. And this isn't just the outside of society; it extends deep into the bedroom. There, too, an unspoken script plays out, in which who will take the initiative, whose preferences matter more, and who will adjust—all of this is predetermined. This is where the silent, nameless gap in any relationship begins. From the outside, everything appears perfect, cheerful, and complete, but deep inside, the connection begins to weaken. Intimacy becomes a mere mechanical routine, filled with less emotion and novelty and more tedious routine. And the most interesting irony is that after this emptiness, both partners feel that the fault lies entirely with the other. In reality, many women's fantasies aren't something out of the blue or something extraordinary. They aren't demanding Hollywood movie stunts. Their fantasies are simple yet profound: they want to be truly felt, not just touched. They want their partner to take the initiative sometimes, to think a little, to plan a little based on their moods and preferences. They want those private moments to be filled with beautiful conversations, surprises, and, above all, respect. But due to our traditional upbringing, they are so hesitant to say even these basic things that they remain silent, and their silence ultimately costs the entire relationship its warmth. Alain de Botton writes that intimacy is the capacity to be rather weird with someone and finding that that's okay. The problem here is that this freedom to be weird is not equally distributed. One person enjoys it, while the other is taught to do as they're told, that's the fun, and they should behave normally. The average man in our country assumes that if the EMI is paid on time, dinner is served on weekends, and physical contact is maintained at their desired frequency, then everything is perfect. They can't read the silence that lingers on the other side of the bed. "What do you like?" This question is still rarely asked in our relationships. And even if it is, the answer isn't easy. Because years of conditioning don't break overnight. In fact, throughout this entire game, patriarchy has cleverly played a dirty game with both genders. It has subtly silenced women and given men the false overconfidence that they don't need to listen or understand others, because they are experts in this field by default. What has been the result? A strange society where one partner cannot speak and the other cannot hear. The solution to this whole story isn't revolutionary, but it certainly is a bit honest: conversation. But not the kind that's too formal. Conversation should be one that involves a little hesitation, a little laughter, and the occasional truth. Where no one thinks about whether something is appropriate or not, but rather, that it's true. Perhaps the first step for women is to edit their own voice a little less. There's no need to say everything perfectly. Start small, like, "I like it this way." A simple statement like this can be a good way to begin. And perhaps the biggest change for men is to not take every new thing against yourself. If the other person is saying something, they're not finding fault with you or asking you to improve your ways, but rather sharing what's on their mind. Just understand this, and don't make these things into ego issues or misunderstand your partner. The interesting thing about relationships is that they deepen not through grand gestures, but through small honesties. And sometimes the greatest honesty is being able to say what you want or need. Fantasies will always be there.

प्रत्येक संपूर्ण समाधान दिवस में आयोजित होगा शिविर, आमजन को आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी एवं योग के प्रति किया जाएगा जागरूक

आयुष आपके द्वार अभियान के अंतर्गत आयुर्वेद, यूनानी एवं होम्योपैथी चिकित्सा पद्धतियों को आमजन तक पहुंचाने तथा लोगों को इन पद्धतियों के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट परिसर में स्वास्थ्य जागरूकता एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

इस स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया द्वारा किया गया। शिविर में 306 लोगों को ओपीडी के अंतर्गत स्वास्थ्य उपचार एवं जरूरी परामर्श प्रदान किया गया।

शिविर के माध्यम से आमजन को आयुर्वेद, यूनानी एवं होम्योपैथी चिकित्सा पद्धतियों की उपयोगिता एवं उपचार विधियों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा लोगों को उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के अनुरूप संबंधित चिकित्सा पद्धतियों से जुड़ने के लिए

प्रोत्साहित किया गया। साथ ही स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, खान-पान में संतुलन रखने तथा नियमित रूप से आवश्यक योग क्रियाओं का अभ्यास करने की सलाह दी गई।शिविर में आमजन को बताया गया कि आयुर्वेद, यूनानी एवं होम्योपैथी जैसी चिकित्सा पद्धतियां स्वास्थ्य संरक्षण एवं रोगों से बचाव की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। लोगों को अपनी स्वास्थ्य जरूरतों के अनुसार विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह लेने तथा नियमित योग एवं प्राकृतिक जीवनशैली को अपनाने के लिए जागरूक किया गया।

क्षेत्रीय आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी श्री अमरदीप सिंह नायक ने बताया कि जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले प्रत्येक संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसीलों में इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे साथ ही माह में एक बार कलेक्ट्रेट में भी यह स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के लिए जिलाधिकारी के स्तर से निर्देश दिए गए हैं। पूर्व में तहसील ठाकुरद्वारा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में भी इस शिविर का आयोजन किया गया था।

इस अवसर पर होम्योपैथी के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. पवन नायक, वरिष्ठ महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. रेनू वाला, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. नदीम अहमद मलिक एवं डॉ. मुनेश कुमार गोले, डॉ. अंजली राय, होम्योपैथिक फार्मासिस्ट श्रीमती श्रेया एवं योग प्रशिक्षक श्री देवेन्द्र कुमार एवं योग सहायक श्री सुनील कुमार आदि मौजूद रहे।

किसान दिवस में कृषकों की समस्याओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश।

मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए कृषकों ने कृषि एवं कृषकों से संबंधित समस्याओं और मांगों को प्रमुखता से उठाया। बैठक में पूर्व में आयोजित किसान दिवसों में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की विभागवार समीक्षा की गई तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों से शिकायतों के निस्तारण की स्थिति की जानकारी ली गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कृषकों की समस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। साथ ही, जिन शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है, उसकी सूचना संबंधित कृषकों को भी उपलब्ध कराई जाए।

किसान दिवस के दौरान कृषकों ने सर्किल रेट में वृद्धि एवं आवश्यकतानुसार संशोधन से संबंधित विषय भी उठाया। किसानों ने इस संबंध में अपनी समस्याएं एवं सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखीं। इसके अलावा जल निगम द्वारा विभिन्न ग्रामों में पाइपलाइन आदि कार्यों के लिए खोदी गई सड़कों की समुचित मरम्मत न होने की समस्या भी उठाई गई। कृषकों ने बताया कि सड़कों की खुदाई के बाद मरम्मत न होने से ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की। बैठक में बंदरों एवं तेंदुओं से संबंधित समस्याओं को भी कृषकों ने उठाया। किसानों ने वन्यजीवों के कारण फसलों एवं जनजीवन पर पड़ रहे प्रभाव से अधिकारियों को अवगत कराते हुए आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की। मुख्य विकास अधिकारी ने कृषकों द्वारा उठाई गई समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने तथा समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्य किया जाए, ताकि कृषकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

किसान दिवस में अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्रीमती संगीता गौतम, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्रीमती ममता मालवीय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग एवं जल निगम, उप निदेशक कृषि, जिला गन्ना अधिकारी, एलडीएम, एआर कोऑपरेटिव, जिला कृषि अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी तथा जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए कृषक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

विद्यालयों में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने को जिलाधिकारी ने दिए सख्त निर्देश।

जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शिक्षा विभाग की जिला टास्कफोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालयों में संचालित विभिन्न योजनाओं, ऑपरेशन कायाकल्प, स्वच्छता, पेयजल, पीएम पोषण योजना तथा विद्यालयों की सुरक्षा एवं आधारभूत व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद के प्रत्येक विद्यालय में निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में सुरक्षित पेयजल, वाटर टैंक के साथ रनिंग वाटर, नियमित सफाई तथा क्रियाशील शौचालय हर हाल में उपलब्ध होने चाहिए।

निरीक्षण के दौरान कई विद्यालयों में ऑपरेशन कायाकल्प के तहत कराए गए कार्यों की गुणवत्ता खराब पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने खंड विकास अधिकारियों, खंड शिक्षा अधिकारियों एवं एडीओ पंचायत को कार्यों की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घटिया गुणवत्ता का कार्य पाए जाने पर उसकी जांच कराकर संबंधित संस्था से ही कार्य को दुरुस्त कराया जाए। जिला पंचायत राज अधिकारी को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण पेंट का प्रयोग करने, स्वच्छता एवं शुद्ध पेयजल पर विशेष ध्यान देने तथा क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत एवं ग्राम पंचायत स्तर से आवश्यक कार्यों को तत्काल पूरा कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों के विद्यालयों का नियमित निरीक्षण कर कमियों की रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा। विद्यालयों की निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जिलाधिकारी ने सीसीटीवी कैमरों को प्रभावी बनाने तथा सभी विद्यालयों को एक केंद्रीय कंट्रोल रूम से लिंक करने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद के विद्यालयों को प्रदेश में उत्कृष्ट विद्यालयों के रूप में पहचान दिलाने के लिए सभी अधिकारी समन्वित प्रयास करें। जिलाधिकारी ने शिक्षकों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने तथा खंड शिक्षा अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के सभी विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विद्यालयों की नियमित मॉनीटरिंग, प्रभावी नियंत्रण तथा प्रत्येक विद्यालय में स्वच्छता समिति गठित कराने के निर्देश भी दिए गए। ,उन्होंने स्पष्ट कहा कि बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाएगा, जबकि लापरवाही अथवा कार्य में खराब गुणवत्ता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने विद्यालयों की रंगाई-पुताई निर्धारित मानकों के अनुसार कराने, किचन में सिंक की नियमित सफाई, मच्छर एवं कीट-पतंगों से बचाव के लिए दरवाजों पर जाली लगाने, बाउंड्रीवाल को निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने तथा विद्युत वायरिंग को सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय परिसर में हाईटेंशन लाइन अथवा खुले तारों की स्थिति न रहने देने, आवश्यकता के अनुसार कक्षों में जाली लगवाने तथा प्रत्येक कक्ष में पर्याप्त पंखों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना सभी संबंधित अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। विद्यालयों की प्रत्येक व्यवस्था का नियमित अनुश्रवण करते हुए कमियों को तत्काल दूर किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी, अपर जिलाधिकारी नगर श्री अंकुर श्रीवास्तव, अपर नगर आयुक्त श्री अतुल कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, समाज कल्याण अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, एडीओ पंचायत, खंड शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी तथा पीएमश्री विद्यालय, अटल आवासीय विद्यालय, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय एवं जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

किसान दिवस पर 11 गन्ना किसानों को मोटरसाइकिल वितरित

अधिक गन्ना उत्पादन एवं चीनी मिल को सर्वाधिक गन्ना आपूर्ति करने वाले किसानों को किया गया सम्मानित

जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी की उपस्थिति में किसान दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में दीवान शुगर मिल्स लिमिटेड, अगवानपुर द्वारा लकी ड्रॉ के माध्यम से चयनित 11 गन्ना किसानों को मोटरसाइकिल प्रदान की गईं।पेराई सत्र 2025-26 में अधिक गन्ना उत्पादन करने तथा चीनी मिल को सर्वाधिक गन्ना आपूर्ति करने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह पुरस्कार योजना संचालित की गई थी। लकी ड्रॉ में चयनित किसानों को जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने मोटरसाइकिल की चाबियां प्रदान करने के साथ ही रजिस्ट्रेशन, इंश्योरेंस एवं हेलमेट भी प्रदान किए। लकी ड्रॉ में चयनित किसानों में ग्राम चंगेरी की श्रीमती सविता एवं श्रीमती भूरिया, ग्राम मोहम्मदपुर ध्यान की श्रीमती राकेश देवी, ग्राम गदापुर के श्री इसरार, ग्राम आदमपुर की श्रीमती अलीमा, ग्राम सेरुआ धर्मपुर के श्री महेन्द्र सिंह, ग्राम मोड़ा के श्री सोमपाल सिंह, ग्राम नगला जोगराज के श्री जसवीर सिंह, ग्राम सुल्तानपुर के श्री धर्म प्रकाश, ग्राम संजरपुर की श्रीमती हसीना खातून तथा ग्राम ज्ञानपुर की श्रीमती सुधा देवी शामिल हैं।

इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने दीवान शुगर मिल्स लिमिटेड, अगवानपुर के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि किसानों को अधिक गन्ना उत्पादन एवं चीनी मिलों को अधिक गन्ना आपूर्ति के लिए प्रोत्साहित करने हेतु इस प्रकार के कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने जनपद की अन्य चीनी मिलों को भी किसानों के हित में इसी प्रकार की प्रोत्साहन हेतु योजनाएं संचालित करने के निर्देश दिए। जिला गन्ना अधिकारी ने बताया कि जनपद की चीनी मिलों द्वारा पेराई सत्र 2025-26 का संपूर्ण गन्ना मूल्य भुगतान किसानों को कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों को समयबद्ध भुगतान के साथ-साथ उत्पादन एवं आपूर्ति के लिए प्रोत्साहित किया जाना विभाग की प्राथमिकताओं में शामिल है। कार्यक्रम में दीवान शुगर मिल्स लिमिटेड, अगवानपुर के यूनिट हेड श्री महेश कुमार पाण्डेय, मुख्य प्रबंधक (प्रशासन) श्री सुशील कुमार खोखर, महाप्रबंधक (गन्ना) श्री राजपाल सिंह, उप महाप्रबंधक (गन्ना) श्री एन.सी. पंत सहित जिला गन्ना अधिकारी, गन्ना विकास विभाग के अधिकारी एवं चीनी मिल के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम, नगर एवं जनपद गजेटियर की जानकारी तथ्यात्मक, प्रमाणिक एवं त्रुटिरहित रूप से संकलित करें – जिलाधिकारी

जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में ग्राम गजेटियर, नगर गजेटियर एवं जनपद गजेटियर तैयार किए जाने एवं अद्यतन किए जाने के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित अधिकारियों ने गजेटियर तैयार करने की प्रगति से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ग्राम, नगर एवं जनपद स्तर की ऐतिहासिक, भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं प्रशासनिक जानकारियों का तथ्यात्मक एवं प्रमाणिक रूप से संकलन किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि ग्राम गजेटियर में उपलब्ध कराई जाने वाली जानकारी त्रुटिरहित हो तथा आवश्यकतानुसार स्थानीय स्तर से महत्वपूर्ण सुझाव भी शामिल किए जाएं। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम पंचायत सचिव को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद की ऐतिहासिक विरासत, प्रमुख ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों, महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों, उपलब्ध प्राकृतिक एवं अन्य संसाधनों, कृषि, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों को व्यवस्थित एवं प्रमाणिक रूप से गजेटियर में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि गजेटियर जनपद के इतिहास, वर्तमान परिस्थितियों एवं विकास की यात्रा का महत्वपूर्ण दस्तावेज होगा, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए उपयोगी संदर्भ के रूप में कार्य करेगा। इसलिए इसमें सम्मिलित की जाने वाली प्रत्येक सूचना का संबंधित विभागों से सत्यापन कराते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं त्रुटिरहित सामग्री तैयार की जाए। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराने तथा आपसी समन्वय के साथ कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा गजेटियर तैयार किए जाने की प्रगति की नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सुश्री शक्ति दुबे, जिला विद्यालय निरीक्षक श्रीमती ऋतु तोमर, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री अमित सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी श्री आलोक शर्मा साथ साथ खंड विकास अधिकारी, एडीओ पंचायत, खंड शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

शिकायत के बाद जेसीबी से हुई नाले की सफाई, अतिक्रमण भी हटाया

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। तहसील मीरगंज समाधान दिवस पर एड. नवीन कुमार द्वारा नाले की सफाई को लेकर की गई शिकायत पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई की। शिकायत के अगले ही दिन बुधवार दोपहर मीरगंज तहसील से नायव तहसीलदार सिमरन मैथानिया, लेखपाल आदित्य गंगवार चौकी प्रभारी आदेश कुमार के साथ नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह राठौर टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जेसीबी मशीन से नाले की सफाई करवाई।

नगर पंचायत क्षेत्र में लंबे समय से नाले में गंदगी और सिल्ट जमा होने से पानी की निकासी बाधित थी। इससे आसपास के लोगों को जलभराव की समस्या झेलनी पड़ रही थी। सफाई अभियान के दौरान नगर पंचायत की टीम ने मेघा हॉस्पिटल के पास नाले पर बनी दीवार और लगे लोहे के जाल को भी हटवाया।

अधिशासी अधिकारी पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि नाले पर अवैध कब्जा कर रखी गई संरचनाओं को हटाकर पानी की सुचारू निकासी सुनिश्चित की गई है।

यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना की और कहा कि समय पर सफाई होने से बरसात में जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी।

More Than 1,000 Invertis University Students to Join Nakatiya River Clean-Up Drive,Students to Deliver the Message of 'Public Participation' Today; Campaign to Begin Behind Dhopa Mandir

Kyun Na Likhun Sach/ Satyam Sharma / Bareilly: A mega cleaning drive will be organised on August 20 with the objective of cleaning, rejuvenating and restoring the ecological system of the Nakatiya River. More than 1,000 students of Invertis University will actively participate in the campaign and contribute to keeping the river clean.

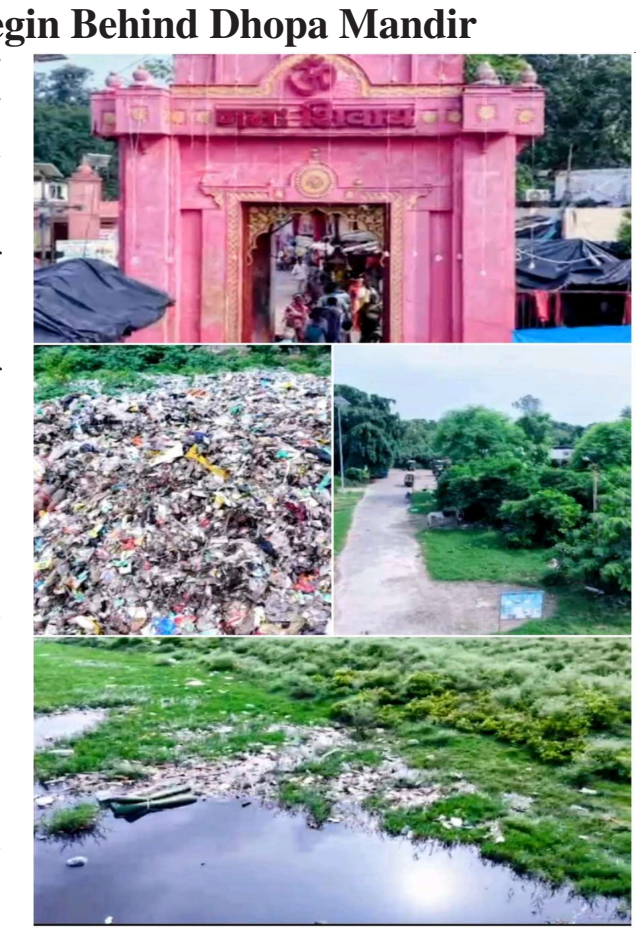

The campaign will begin at 9:30 AM from the initial stretch of the Nakatiya River located behind Dhopa Mandir. The cleanliness drive will subsequently be carried out across the identified areas of the river. The programme will be led by the CEO of the Bareilly Cantonment Board and the Mayor of Bareilly. Students of the university, along with Cantonment Board employees and other stakeholders, will participate in the mega campaign. The initiative aims not only to remove garbage and waste from the river but also to create awareness among citizens about the conservation of rivers and natural water sources and encourage a sense of responsibility towards the environment.

The drive is being considered an important initiative under the broader campaign for the cleaning and rejuvenation of the Nakatiya River. The focus will be on regular cleaning of the river, proper disposal of waste and restoration of its ecological system through sustained public participation.

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

ईदमिलादुनबी को लेकर पीस कमेटी की हुई मीटिंग, शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी - आगामी ईदमिलादुननबी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर सीओ हाइवे देवेश सिंह के नेतृत्व में थाना परिसर में पीस कमेटी की मीटिंग आयोजित की गई जिसमें थाना क्षेत्र के तमाम मस्जिदों के इमाम व अंजुमन का नेतृत्व करने वाले लोग शामिल हुए सीओ हाइवे देवेश सिंह ने क्षेत्रवासियों से ईद मिलादुननबी का पर्व आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ पुरानी परंपरा के मुताबिक मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और सोशल मीडिया पर भ्रामक या विवादित सामग्री प्रसारित करने से बचें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। थाना प्रभारी प्रवीन कुमार ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि ईद मिलादुननबी का पर्व प्रेम, भाईचारे और आपसी सौहार्द के साथ मनाएं। किसी भी तरह की अफवाह या विवाद की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें।

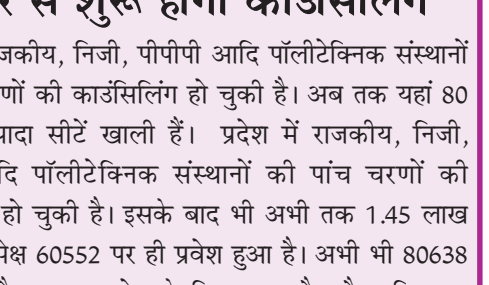

देश के पॉलीटेक्निक संस्थानों में खाली रह गईं 80 हजार से ज्यादा सीटें, शुक्रवार से शुरू होगा काउंसिलिग

प्रदेश में राजकीय, निजी, पीपीपी आदि पॉलीटेक्निक संस्थानों की पांच चरणों की काउंसिलिंग हो चुकी है। अब तक यहां 80 हजार से ज्यादा सीटें खाली हैं। प्रदेश में राजकीय, निजी, पीपीपी आदि पॉलीटेक्निक संस्थानों की पांच चरणों की काउंसिलिंग हो चुकी है। इसके बाद भी अभी तक 1.45 लाख सीटों के सापेक्ष 60552 पर ही प्रवेश हुआ है। अभी भी 80638 सीटें खाली है। इस पर प्रवेश के लिए एक और मौका दिया जा रहा है। इसके लिए अतिरिक्त काउंसिलिंग 21 अगस्त से शुरू हो रही है।संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद के अनुसार प्रवेश से वंचित व प्रवेश प्रक्रिया पूरी न कर पाने वाले अभ्यर्थियों को एक और अवसर दिया है। परिषद द्वारा डिप्लोमा इंजीनियरिंग व अन्य पाठ्यक्रमों (फार्मेसी को छोड़कर) में छठें और 7वें चरण की अतिरिक्त काउंसलिंग का आयोजन 21 अगस्त से किया जाएगा। अभ्यर्थियों को 14 सितंबर तक प्रवेश का अवसर मिलेगा।परिषद सचिव संजीव कुमार सिंह ने बताया कि परिषद 25 जून से 14 अगस्त के बीच डिप्लोमा इंजीनियरिंग एवं अन्य पाठ्यक्रमों की मुख्य एवं विशेष काउंसलिंग कराई गई थी। इसके बाद भी प्रवेश से वंचित रह गए अथवा प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं कर सके अभ्यर्थियों को एआईसीटीई के नए एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार अतिरिक्त अवसर दिया जा रहा है।उन्होंने बताया कि 21 अगस्त से 10 सितंबर तक उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी काउंसिलिंग में शामिल हो सकेंगे। छठें चरण में अभ्यर्थियों के लिए च्वाइस फिलिंग 21 से 23 अगस्त तक होगी। सीट आवंटन 24 अगस्त को किया जाएगा। सीट मिलने के बाद ऑनलाइन फ्रीज व काउंसलिंग फीस जमा करने की प्रक्रिया 25 से 28 अगस्त तक चलेगी। इस चरण में फ्लोट विकल्प नहीं होगा।7वें चरण के लिए च्वाइस फिलिंग 1 से 3 सितंबर तक होगी और सीट आवंटन 4 सितंबर को किया जाएगा। सभी अभ्यर्थियों के लिए सीट ऑटो फ्रीज होगी तथा सिक्योरिटी एवं काउंसलिंग फीस 5 से 7 सितंबर तक जमा की जा सकेगी। 7वें चरण में दस्तावेज सत्यापन 5 से 8 सितंबर को शाम 6 बजे तक होगा। आवंटित सीट से नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 9 सितंबर और संस्था में रिपोर्टिंग की अंतिम तिथि 10 सितंबर है।

दैनिक भत्ते में बढ़ोतरी से पीआरडी जवानों में खुशी, पंचायत भवन सभागार में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

मुरादाबाद,(क्यूँ न लिखूँ सच) जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग, उत्तर प्रदेश के अंतर्गत माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी जी द्वारा पीआरडी जवानों के दैनिक ड्यूटी भत्ते में बढ़ोतरी की घोषणा के साथ ही साथ लखनऊ में पीआरडी बैरक निर्माण एवं मुख्यमंत्री पीआरडी कैशलेस योजना का शुभारंभ किया गया, प्रांतीय रक्षक दल जवानों के लिए दैनिक ड्यूटी भत्ता रूपये 500 से बढ़ाकर रूपये 600 प्रतिदिन की घोषणा भी की। इस घोषणा से जिले के तकरीबन 314 पीआरडी जवानों को लाभ प्राप्त होगा।

इस मौके पर मुख्य अतिथि एमएलसी डॉ जयपाल सिंह व्यस्त की उपस्थिति में पंचायत भवन सभागार में कार्यक्रम का संजीवन प्रसारण कराया गया। कार्यक्रम में जिले के करीब 100 पीआरडी जवानों ने भाग लिया। वर्तमान में जिला मुरादाबाद में पीआरडी जवानों द्वारा थाना ड्यूटी, फायर सर्विस ड्यूटी सहित विभिन्न गैर-विभागीय आवश्यक सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। सजीव प्रसारण के दौरान मुख्यमंत्री जी द्वारा पीआरडी जवानों के हित में की गई घोषणाओं का जवानों ने दिल से स्वागत किया।

इस अवसर पर जिला युवा कल्याण अधिकारी श्री भगवान दास सहित अन्य अधिकारी एवं पीआरडी के जवान उपस्थित रहे।

नन्दोत्सव के उल्लास से सराबोर हुआ भागवत कथा पंडाल

बिलारी, (क्यूँ न लिखूँ सच) श्री राम मैरिज होम, स्टेशन रोड पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन कथा स्थल नन्दोत्सव के उल्लास से सराबोर हो उठा। परम श्रद्धेय श्री राधा माधव दास जी महाराज, श्रीधाम वृंदावन के श्रीमुख से श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य एवं नन्दोत्सव की पावन कथा का रसपान किया। भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य की मंगल बेला का वर्णन होते ही कथा पंडाल में भक्ति, प्रेम और आनंद की लहर दौड़ गई।

नन्द बाबा के घर भगवान श्रीकृष्ण के आगमन और जन्मोत्सव के प्रसंग ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से पूरा वातावरण गोकुलमय हो उठा।परम श्रद्धेय श्री राधा माधव दास जी महाराज ने कहा कि नन्दोत्सव केवल भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की खुशी मनाने का पर्व नहीं है, बल्कि यह प्रेम, सेवा, दान, करुणा और आनंद को जीवन में उतारने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य के जीवन की वास्तविक सुंदरता धन-संपत्ति में नहीं, बल्कि संस्कार, सेवा, सद्भाव और प्रभु भक्ति में है। जब जीवन में श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम और विश्वास जागृत होता है तो कठिन परिस्थितियों में भी मनुष्य के भीतर आशा और आनंद बना रहता हैनन्दोत्सव के अवसर पर भजन-कीर्तन और नन्द के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयकारों से कथा पंडाल गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की भावपूर्ण झांकी के दर्शन किए। कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रेम बढ़ाने, अहंकार त्यागने, सेवा अपनाने और सुख को प्रभु की कृपा मानकर दूसरों के साथ साझा करने की प्रेरणा मिली।श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने के लिए प्रतिदिन की भांति गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। देवेश कुमार शर्मा सभासद, संजय शर्मा, अरविंद गुप्ता सहित श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।

पति के सामने गर्लफ्रेंड ने पत्नी को सड़क पर गिराकर पीटा, 20 मिनट तक तमाशा देखते रहे लोग, वीडियो वायरल

शिवपुरम निवासी युवक सुपरटेक पाम ग्रीन सोसाइटी के पास जिम में जाता है। उसकी पत्नी को पता चला कि पति की गर्लफ्रेंड भी साथ में जिम जा रही है। महिला जिम के पास पहुंची तो पति अपनी गर्लफ्रेंड को बाइक पर बैठाकर ला रहा था।ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र की सुपरटेक पाम ग्रीन सोसाइटी के पास बुधवार सुबह शिवपुरम कॉलोनी निवासी महिला ने पति की बाइक पर एक युवती को बैठे देख लिया। महिला ने युवती को पति की महिला मित्र बताते हुए कड़ा विरोध किया। दोनों में विवाद हो गया। आरोप है कि युवती ने महिला को सड़क पर गिराया। बाल पकड़कर बुरी तरह पीटा। करीब 20 मिनट तक सड़क पर ही मारपीट के साथ हंगामा हुआ। वाहन रोककर खड़े लोग मूकदर्शक बने रहे। कुछ वीडियो बनाते रहे। घटना का वीडियो वायरल हो गया। महिला ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।शिवपुरम निवासी महिला ने तहरीर में बताया कि उनके पति सुपरटेक पाम ग्रीन सोसाइटी के पास एक जिम में जाते हैं। युवती पहले से उनके पति के संपर्क में है। काफी समझाने के बावजूद वह नहीं मानी। बुधवार सुबह पता चला कि जिम में पति के साथ युवती भी जाने लगी है। हकीकत जानने के लिए महिला जिम के पास पहुंची। महिला ने जिम के पास रोड पर पति की बाइक पर युवती को बैठे देख लिया। इससे महिला आक्रोशित होकर युवती को खरी-खोटी सुनाने लगी। कुछ लोगों ने बताया कि पहले दोनों में जमकर नोकझोंक हुई और फिर मारपीट हो गई।तूने मेरी जिंदगी खराब कर दी...तू मेरे के खिलाफ रिपोर्ट लिखाएगी वायरल वीडियो में महिला कह रही है कि तूने मेरी जिंदगी खराब कर दी। वहीं, युवती कह रही है कि तू मेरे के खिलाफ रिपोर्ट लिखाएगी। लोगों ने बताया कि युवती ने महिला को सड़क पर गिरा लिया और खुद उसके ऊपर चढ़कर बैठ गई। युवती बाल पकड़कर महिला को पीटने लगी। राहगीर रुककर यह नजारा देखने लगे लेकिन किसी ने भी महिला को छुड़ाने की हिम्मत नहीं दिखाई। पास के ही एक दुकानदार ने बताया कि महिला के कपड़े फट गए थे। इससे पुरुष उसे हाथ लगाने से बच रहे थे लेकिन वायरल वीडियो में एक महिला भी दिखाई दे रही है और लोग वीडियो बनाते भी दिख रहे हैं। लोगों ने बताया कि नीचे गिरकर महिला ने भी युवती के बाल पकड़ लिए थे। दोनों एक-दूसरे के बाल खींच रहीं थीं।

कार्यालय ग्राम पंचायत तुमडिया कला, वि.ख. डिलारी (मुरादाबाद)

पत्रांक: राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त/निविदा/विज्ञापन/ 2025-26 दिनांक

अल्पकालीन निविदा सूचना

विकास खण्ड डिलारी की ग्राम पंचायत तुमडिया कला में पी.वी.सी. पैनल , फर्श टाइल्स, पी.वी.सी. पाईप, बजरी, बजरफुट पेन्ट (कलर) कार्यका निर्माण कराया जाना है उक्त कार्य हेतु सामग्री की आपूर्ति हेतु सीलबन्द निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 04.09.2026 की सायं 5 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य से संबंधित बिल आफ क्वान्टिटी निविदा पत्र के साथ कार्य दिवस से प्राप्त की जा सकती है निविदा की शर्त एवं प्राक्लन आदि किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में देखी जा सकती है। नियमानुसार धरोहर राशि एन.एस.सी./ बैंक ड्राफ्ट/एफ.डी.आर. के रूप में जमा करनी होगी, जो ग्राम पंचायत के नाम बंधक होगी। अवकाश की दशा में उक्त निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	सामग्री का विवरण	सामग्री की अनुमानित लागत	जमानत की 2 प्रतिशत धनराशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य पूर्ण अवधि
1.	आंगनबाड़ी केन्द्र में सौन्दर्यीकरण	टाइल्स, सीमेन्ट, बजरी, ईंट बारीक रेता, बजरफुट आदि	125087.00	2500.00	200.00	3 माह
2	पंचायत घर में सौन्दर्यीकरण		376211.00	7524.00	200.00	3 माह

मुख्य शर्तें :-
1. उपरोक्त कार्य के लिए पंजीकृत फर्म जी.एस.टी. नम्बर सहित निविदा प्रपत्र देय होगा।
2. कार्य का अनुदान सक्षम स्तर से अनुमोदन/ स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त दिया जायेगा।
3. इस निविदा को बिना बताये पूर्ण या आंशिक रूप से निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास होगा, सशर्त या अपूर्ण निविदाएं किसी भी दशा में मान्य नहीं होगी।

सचिव/ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत तुमडिया कला
डिलारी, मुरादबाद

तीन किलोमीटर सड़क दलदल युक्त होने से छात्र-छात्राओं का फूटा गुस्सा, हाईवे पर लगाया जाम, जमकर की नारेबाजी

छात्र-छात्राओं ने महोबा में झांसी-मिर्जापुर हाईवे पर जाम लगाया। सैकड़ों वाहन तीन घंटे तक फंसे रहे। पुलिस ने बच्चों को सड़क से हटाया। कोतवाली क्षेत्र के रैपुराकलां गांव की कीचड़युक्त सड़क और जलभराव से परेशान स्कूली छात्र-छात्राओं का आक्रोश बुधवार को फूट पड़ा। छात्र-छात्राओं ने झांसी-मिर्जापुर हाईवे पर जाम लगा दिया। इस दौरान बच्चों ने जमकर नारेबाजी की। तीन घंटे तक जाम और प्रदर्शन के चलते हाईवे के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं। तहसीलदार ने शीघ्र सड़क निर्माण का भरोसा देने के बाद आवागमन बहाल हो सका। हालांकि छात्रों ने पुलिस पर जबरन सड़क से हटाने का आरोप लगाया है।रैपुराकलां गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली करीब तीन किलोमीटर सड़क लंबे समय से गड्ढायुक्त है। बारिश के चलते सड़क पर जगह-जगह जलभराव हो गया है। कई जगह कीचड़ और दलदल होने से साइकिल व पैदल निकलने में परेशानी होती है। इसी मार्ग से मझलवारा, बनियातला और महानपुरा गांव के ग्रामीण भी आवागमन करते हैं। सड़क खराब होने से ई-रिक्शा व ऑटो पलटने की घटनाएं हो चुकी हैं जिसमें कई बच्चे चोटिल हो चुके हैं। छात्र मनोज, अनिल, नीरज, विवेक आदि ने बताया कि गांव के बच्चे डीएवी इंटर कॉलेज, जीआईसी, जीजीआईसी आदि इंटर कॉलेजों में प्रतिदिन शिक्षा ग्रहण करने आते-जाते हैं। सड़क खराब होने से उन्हें परेशानी हो रही है और समय भी बर्बाद होता है। कई बार सड़क निर्माण की मांग की गई लेकिन प्रशासन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया।बुधवार सुबह सात बजे आक्रोशित छात्र अभिभावकों के साथ हाईवे पहुंच गए और पत्थर व झाड़ियां रखकर जाम लगा दिया। इस दौरान छात्र नारेबाजी करते रहे। छात्रों का कहना था कि लंबे समय से सड़क बदहाल है। कीचड़ और जलभराव होने से भारी परेशानी हो रही है। कोई सुनने वाला नहीं है। सूचना मिलते ही तहसीलदार अभिषेक मिश्रा व कोतवाली प्रभारी मनीष कुमार पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और छात्र-छात्राओं को समझाया। कुछ छात्र सड़क से हटने को तैयार नहीं हुए तो पुलिस ने उन्हें पुलिस ने उन्हें हटवाया। तीन घंटे बाद 10 बजे जाम खुल सका। जाम में रोडवेज बसों के फंसने से यात्रियों को परेशानी हुई। बताया कि बीडीओ को निर्देश दिए गए हैं कि सड़क को कार्ययोजना में शामिल किया जाए।

किसान दिवस में गूंजे किसानों के मुद्दे, अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बुधवार को विकास भवन सभागार में अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें प्रगतिशील किसानों के साथ कृषि, मत्स्य, विद्युत, उद्यान, पशुपालन, गन्ना समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। अध्यक्षता करते हुए किसानों को परंपरागत खेती के साथ फल, सब्जी, मत्स्य एवं मुर्गी पालन अपनाने तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने की सलाह दी गई। किसानों को जैविक खाद के प्रयोग और जैविक उत्पादों की मार्केटिंग की जानकारी भी दी गई।

किसानों ने गन्ना भुगतान, विद्युत पोल और अन्य समस्याएं उठाईं। किसान एमपी सिंह ने केसर शुगर मिल पर वर्ष 2024-25 के बकाया गन्ना भुगतान का मुद्दा उठाया, जबकि सुरेश ने विद्युत पोल की समस्या बताई। अधिकारियों को शिकायतों का शीघ्र निस्तारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। कृषि विज्ञान केंद्र आईवीआरआई के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ. रंजीत कुमार ने कीट-रोग नियंत्रण, रासायनिक खादों के संतुलित प्रयोग और मिट्टी की जांच के संबंध में तकनीकी जानकारी दी। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अगले किसान दिवस में पुरानी शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा के बाद ही आगे की कार्यवाही की जाए। उप कृषि निदेशक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किसान दिवस का समापन हुआ।

अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई, 5 लीटर जहरीली शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ कोलारस। जिले में अवैध शराब की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कोलारस पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हाथ भट्टी की बनी करीब 5 लीटर जहरीली शराब जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस के अनुसार 19 अगस्त 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पड़ोरा पुल के पास लाल मुरम रोड, ग्राम बेहटा में एक व्यक्ति अवैध शराब लेकर बैठा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी की पहचान गोबिंद धाकड़ (25), निवासी ग्राम कुम्हरौआ, थाना कोलारस के रूप में हुई। उसके कब्जे से पीले रंग की कट्टी में रखी करीब 5 लीटर हाथ भट्टी की बनी शराब, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1000 रुपये बताई गई, बरामद की गई।

पुलिस ने शराब को विधिवत जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के बाद थाना कोलारस में अपराध क्रमांक 297/2026, धारा 49(क), 34(1) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचोन डोलकर भूटिया के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति एवं एसडीओपी कोलारस संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक पुनीत बाजपेयी, सउनि. यतेन्द्र वाथम, प्रधान आरक्षक प्रमोद वर्मा, आरक्षक दीपक जाट, सूरज टैगोर एवं चालक आरक्षक रणवीर यादव की सराहनीय भूमिका रही।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर बच्चों को खिलाई गई एल्बेंडाजोल की गोली

समोदिया, (क्यूँ न लिखूँ सच) उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य विभाग की ओर से राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अंतर्गत बच्चों को कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल की गोलियां खिलाई गईं।

अभियान के तहत वर्ष में दो बार आंगनबाड़ी केंद्रों से लेकर इंटर कॉलेज स्तर तक के बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली दी जाती है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक के कुशल निर्देशन में बीआरसी केंद्र से प्राप्त एल्बेंडाजोल की गोलियां प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा की देखरेख में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं डॉ. दीपचंद्र मां सरस्वती शिशु मंदिर में वंदना सभा के पश्चात विद्यार्थियों को खिलाई गईं।

इस दौरान चिकित्सा प्रमुख आचार्य धर्मेंद्र कुमार का विशेष सहयोग रहा। दोनों विद्यालयों में कुल 580 भैया-बहनों को एल्बेंडाजोल की टैबलेट खिलाई गई।

विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों के स्वास्थ्य के लिए चलाए जा रहे इस अभियान को महत्वपूर्ण बताते हुए सभी से स्वास्थ्य संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की।

शुभम चौधरी के एमबीबीएस अंतिम वर्ष में प्रवेश होने पर योग परिवार ने किया सम्मान

बिलारी,(क्यूँ न लिखूँ सच) बिलारी योग परिवार संगठन के तत्वावधान में नगर पालिका परिषद परिसर स्थित योगशाला में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया,

जिसमें योग परिवार के सभी सदस्यों ने संयुक्त रूप से डॉ. राजवीर सिंह एवं मधुरानी को सम्मानित किया। इस दौरान डॉ. राजवीर सिंह के पुत्र शुभम चौधरी का एमबीबीएस अंतिम वर्ष में प्रवेश होने पर उनका अभिनंदन करते हुए परिवार को शुभकामनाएं दी गईं। शुभम चौधरी फरीदाबाद, हरियाणा स्थित अल्फलाह मेडिकल कॉलेज में बैचलर ऑफ मेडिसिन एवं बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) की पढ़ाई कर रहे हैं।

उनकी उपलब्धि पर बिलारी और योग परिवार में हर्ष का माहौल है। उपस्थित सदस्यों ने शुभम चौधरी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए चिकित्सा क्षेत्र में सफलता हासिल करने की शुभकामनाएं दीं। सम्मान समारोह में मुख्य योग शिक्षक निहाल सिंह लाठर, सामाजिक कार्यकर्ता संजय सक्सेना, समाजसेवी मोहनलाल शर्मा, राकेश गुप्ता सर्राफ, योग शिक्षक नरेंद्र सिंह, राकेश कुमार चंद्रवंशी, दानवीर सिंह, राजेंद्र सिंह, व्रतपाल सिंह, राम प्रताप सिंह, सौरभ गुप्ता, राहुल गुप्ता तथा महिला योग परिवार संगठन से रानी फोगाट, राशि शर्मा, ममता फोगाट, पिंकी लाठर, गीता रानी चंद्रवंशी, अनीता चौधरी, मंजू देवी, खुशबू गुप्ता, रचना सिंह, रीना मौर्य, रेखा सक्सेना आदि मौजूद रहीं।

जय महाकाल के जयकारों के साथ कांवड़ लेने बृजघाट रवाना हुआ कांवड़ बेड़ा

बिलारी, (क्यूँ न लिखूँ सच) मोहल्ला शिव मंदिर दरोगा जी की कोठी स्थित शिव मंदिर से जय महाकाल कांवड़ बेड़ा बृजघाट से कांवड़ लेने के लिए रवाना हुआ। कांवड़ बेड़ा 24 अगस्त को वापस पहुंचकर मोहल्ला शिव मंदिर दरोगा जी की कोठी स्थित शिव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक करेगा। कांवड़ लेने के लिए रवाना होने से पूर्व शिव भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया और हर-हर महादेव तथा जय महाकाल के जयकारे लगाए। इसके बाद सभी शिवभक्तों ने मां चामुंडा देवी गमा देवत मंदिर पर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया और अपनी मनोकामनाओं के लिए प्रार्थना की। बेड़े के व्यवस्थापक अभिषेक भोले ने बताया कि श्रद्धालु बृजघाट से पवित्र गंगाजल लेकर कांवड़ के साथ वापस लौटेंगे और 24 अगस्त को मोहल्ला शिव मंदिर दरोगा जी की कोठी स्थित शिव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। कांवड़ बेड़े में सनी भोला, सचिन भोले, राजकुमार भोले, आकाश भोले, आशीष भोले, उमेश भोले, मुकेश भोले, तरुण भोले, अंकित भोले, शुभम भोले, विनीत भोले, अक्षय भोले, चिराग भोले, विष्णु भोले, सुनील भोले, सोमिल भोले, दक्ष भोले, मयंक भोले, अंशुल भोले, कृष्णा भोले, सारांश भोले, इसलोक भोले, शिवम भोले, आदर्श भोले, किशन भोले, नन्नू भोले, शिव भोले, अमित भोले, मनीष भोले सहित अनेक शिवभक्त शामिल रहे। बेड़े के महंत अखिलेश भोले के नेतृत्व में कांवड़ बेड़ा बृजघाट के लिए रवाना हुआ। बेड़े के संयोजक भगवान चंद सक्सेना, रोमी बंसल, सोनू शर्मा, राजू बंसल सहित अन्य मोहल्लेवासियों ने कांवड़ बेड़े की निकासी में सहयोग किया। इस अवसर पर मोहल्ले की सैकड़ों महिलाएं भी मौजूद रहीं और कांवड़ लेने जा रहे शिवभक्तों का उत्साह बढ़ाया। कांवड़ बेड़े की रवानगी के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और हर-हर महादेव तथा जय महाकाल के जयकारों से गूंज उठा।

संगठन की मजबूती पर दिया जोर, 25 अगस्त से सदस्यता अभियान

बिलारी, क्यूँ न लिखूँ सच नगर स्थित बजरंग वाहिनी के कार्यालय पर संगठन की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में संगठन को मजबूत बनाने और सदस्यता अभियान को प्रभावी ढंग से चलाने को लेकर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प.उ.प्र. संगठन मंत्री सुमित शर्मा ने कहा कि 25 अगस्त से पूरे प्रदेश में सदस्यता अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान के तहत शहरों के साथ ही गांव-गांव से सक्रिय लोगों को संगठन से जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि संगठन को और अधिक विस्तार देने के लिए जिला कार्यकारिणी, महानगर, तहसील, ब्लॉक सहित विभिन्न स्तरों पर कार्यकारिणियों का चुनाव कराया जाएगा।

बैठक में सुमित शर्मा, अमित लाठे, चमन सिंह, पुलकित शर्मा, प्रेम गुप्ता, हरिशंकर, शेर सिंह, वीपी सिंह, सूर्यकांत, सौरभ कौशिक, तुषार शर्मा आदि मौजूद रहे।

ग्राम सनाई में प्रजापति समाज की बैठक, दक्ष प्रजापति के नाम पर पार्क बनाने की मांग

बिलारी, (क्यूँ न लिखूँ सच) ग्राम सनाई में प्रजापति समाज की बैठक आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया। बैठक में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पुनः उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया गया। इस दौरान प्रजापति समाज के प्रतिनिधियों ने बिलारी विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान से क्षेत्र में दक्ष प्रजापति के नाम पर पार्क बनाए जाने की मांग रखी।

वक्ताओं ने कहा कि पार्क बनने से समाज के महापुरुषों की स्मृतियों को संरक्षित करने के साथ ही युवा पीढ़ी को उनके जीवन और विचारों से प्रेरणा मिलेगी। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मेयर प्रत्याशी राजकुमार प्रजापति ने समाज की एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि प्रजापति समाज सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है और आगे भी समाज के हितों के लिए संगठित होकर कार्य करता रहेगा। इस अवसर पर सपा जिला उपाध्यक्ष हाजी मोहम्मद उस्मान एडवोकेट, जिला सचिव कासिम आजाद, धर्मदास प्रजापति, मुनेश कुमार प्रजापति, नागेन्द्र प्रजापति, ओमपाल प्रजापति, मनवीर प्रजापति, विजयपाल प्रजापति, प्रेमवीर प्रजापति, वीरपाल प्रजापति, सोमपाल प्रजापति, रामप्रसाद प्रजापति, नेमपाल प्रजापति, ओमप्रकाश प्रजापति, योगेंद्र प्रजापति, ध्यान सिंह प्रजापति, जितेंद्र प्रजापति, अतुल कश्यप, ईश्वर दयाल प्रजापति, देशराज प्रजापति तथा नितिन बाजपेई सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

कार रोककर परिवार को धमकाया, 1.50 लाख ऑनलाइन ट्रांसफर कराए—कैंट पुलिस ने आरोपी को दबोचा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। आधी रात कार रोककर परिवार को जान से मारने की धमकी देकर 1.50 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कराने के मामले में कैंट पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान कांधरपुर की सद्भावना कॉलोनी निवासी 32 वर्षीय अंकुर प्रताप सिंह के रूप में हुई है। उसके कब्जे से कथित तौर पर वारदात की रकम से खरीदा गया ड्ढद्ब1श ड्ढ70 मोबाइल बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक 15 अगस्त को अंकुर ने अपने साथी राहुल के साथ मिलकर कार रुकवाई और चालक को धमकाकर ऑनलाइन रकम ट्रांसफर कराई थी। पूछताछ में अंकुर ने 30 हजार रुपये साथी राहुल को देने की बात बताई। पुलिस बैंक खाते और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन की जांच कर रही है। मुखबिर की सूचना पर कैंट पुलिस ने बुधवार सुबह बारी नगला बाजार के पास से अंकुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ पहले से तीन मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराएं शामिल हैं। मामले में फरार राहुल की तलाश में दबिश दी जा रही है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

जुलूस-ए-मोहम्मदी को लेकर पुलिस अलर्ट, SP Cit4 ने जिम्मेदार नागरिकों संग किया मंथन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर 26 अगस्त को प्रस्तावित जुलूस-ए-मोहम्मदी को लेकर पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। थाना बारादरी में एसपी सिटी मानुष पारिक ने पुलिस मित्रों और पुराने शहर के जिम्मेदार नागरिकों के साथ बैठक कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था पर चर्चा की। बैठक में जुलूस के रूट, भीड़ प्रबंधन, संवेदनशील स्थानों, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मंथन किया गया। SP Cit4 ने लोगों से अपील की कि जुलूस के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें और किसी भी अफवाह या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। पुलिस मित्रों से भी अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों से समन्वय बनाए रखने और भ्रामक सूचनाओं को फैलने से रोकने में सहयोग मांगा गया। सोशल मीडिया पर भी पुलिस की निगरानी रहेगी। पुलिस प्रशासन का जोर जुलूस को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित माहौल में संपन्न कराने पर है। बैठक में जिम्मेदार नागरिकों ने भी पुलिस को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

22 अगस्त को शिवपुरी में होगा बलराम कृषि महोत्सव, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वर्चुअली किसानों से करेंगे संवाद

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। शिवपुरी जिला मुख्यालय पर 22 अगस्त को दोपहर 12 बजे से नवीन कृषि उपज मंडी, पिपरसमा में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वर्चुअली जिले के किसानों को संबोधित करेंगे और उनसे सीधा संवाद करेंगे। महोत्सव के माध्यम से किसानों को कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचारों, आधुनिक तकनीकों और खेती से जुड़े नए आयामों की जानकारी दी जाएगी। महोत्सव में कृषि एवं संबद्ध विभागों की विभिन्न योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी होगा। कृषि वैज्ञानिक एवं विभागीय अधिकारी किसानों को कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य पालन से जुड़ी आधुनिक तकनीकों की जानकारी देंगे। कृषि विभाग ने जिले के सभी किसान भाइयों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर कृषि क्षेत्र में हो रहे नवीन बदलावों एवं तकनीकों की जानकारी प्राप्त करें और शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ- मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला की अध्यक्षता में बुधवार को विकास भवन सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में नोडल अधिकारी आयुष्मान भारत ने बताया कि विशेष अभियान के तहत विभिन्न श्रेणियों के शेष पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा बनाए जा रहे हैं। पिछले तीन माह के अभियान के दौरान जनपद में 66,286 आयुष्मान कार्ड बनाए गए, जिसके आधार पर बदायूँ प्रदेश में दूसरे स्थान पर रहा। मुख्य विकास अधिकारी ने विकासखंड बिसौली, दातागंज एवं कादरचौक में आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति न्यूनतम पाए जाने पर संबंधित चिकित्सा अधीक्षकों को प्रगति में सुधार लाने के निर्देश दिए।

नोडल अधिकारी आरसीएच ने जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा के दौरान बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में लाभार्थियों को 1,400 रुपये तथा शहरी क्षेत्र में 1,000 रुपये की धनराशि का भुगतान किया जाता है। योजना के अंतर्गत 75 प्रतिशत लाभार्थियों को ऑनलाइन भुगतान किया जा चुका है। विकासखंड अम्बियापुर, इस्लामनगर एवं वजीरगंज में भुगतान की प्रगति 72 प्रतिशत से कम पाए जाने पर मुख्य विकास अधिकारी ने आगामी समीक्षा बैठक से पूर्व इन तीनों विकासखंडों में जननी सुरक्षा योजना के लाभार्थियों का भुगतान 75 प्रतिशत तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने नियमित टीकाकरण अभियान की समीक्षा करते हुए एएनएम एवं आशा कार्यकर्ताओं द्वारा अद्यतन ड्यूलिस्ट तैयार करने तथा बच्चों का पूर्ण प्रतिरक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 14 से 15 वर्ष की किशोरियों को एचपीवी टीका लगवाने तथा परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत अधिक से अधिक महिला नसबंदी कराने पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस, जिला पूर्ति अधिकारी, अपर एवं उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधीक्षक, नोडल अधिकारी आयुष्मान भारत, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, जिला क्षयरोग अधिकारी, समस्त नोडल अधिकारी तथा सभी विकासखंडों के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

किसान दिवस में सीडीओ ने सुनी कृषकों की समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला की अध्यक्षता में बुधवार को विकास भवन सभागार में किसान दिवस का आयोजन कृषि, बैंक, ऊर्जा, पशुपालन, सिंचाई, मत्स्य, नलकूप, गन्ना एवं उद्यान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों तथा जनपद के कृषकों की मौजूदगी में हुआ। किसान दिवस का शुभारंभ उप कृषि निदेशक मनोज कुमार ने कृषकों एवं अधिकारियों का स्वागत करते हुए किया। उन्होंने किसानों को फार्मर रजिस्ट्री कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सभी कृषकों से फार्मर रजिस्ट्री कराने की अपील की। साथ ही फसल बीमा योजना की जानकारी देते हुए बताया कि ऋणी कृषक अपने सक्रिय किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 31 अगस्त 2026 तक धान, मक्का, बाजरा, उड़द एवं तिल की फसलों का बीमा करा सकते हैं। जो किसान फसल बीमा नहीं कराना चाहते, वे अंतिम तिथि से सात दिन पूर्व संबंधित बैंक शाखा में लिखित रूप से इसकी सूचना दे सकते हैं। प्राकृतिक आपदा से फसल क्षति होने की स्थिति में बीमा कंपनी द्वारा नियमानुसार क्षतिपूर्ति की जाएगी।

जिला कृषि अधिकारी ने कृषकों को बीज बुकिंग एवं वितरण के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई। किसान झांझन सिंह ने मक्का बिक्री से संबंधित समस्या रखी, जिस पर जिला खाद्य विपणन विभाग के निरीक्षक ने समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। किसान रामाशंकर शंखधार ने विद्युत नलकूप कनेक्शन के लिए किसानों को पूरा सामान उपलब्ध न होने, घरेलू विद्युत कनेक्शन का भार सही कराने तथा चेकिंग मीटर लगवाने से संबंधित समस्याएं रखीं। इस पर अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड प्रथम द्वारा किसानों को आवश्यक जानकारी दी गई। किसान जसवीर यादव ने आवारा गोवंश को गोशाला में संरक्षित किए जाने की मांग रखी, जिस पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। किसान नरवेश सिंह ने सरकारी नलकूप संख्या-40 की गूलों को कब्जामुक्त कराए जाने के बाद पुनः अवैध कब्जा किए जाने की शिकायत रखी। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारी को गूलों को कब्जामुक्त कराने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने किसान दिवस में प्राप्त सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

अंत में उप कृषि निदेशक ने किसान दिवस में उपस्थित अधिकारियों एवं किसान बंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

संक्षिप्त समाचार

नशे के खिलाफ युवाओं ने बुलंद की आवाज, प्रतिभाओं ने दिया नशामुक्त भारत का संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नशामुक्त समाज और स्वस्थ युवा भारत के उद्देश्य से महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय में माय भारत, बरेली की ओर से नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम माय भारत की उपनिदेशक पुष्पा सिंह के दिशा-निर्देशन में हुआ। प्रतियोगिताओं में युवाओं ने लोकगीत, नृत , नुक्कड़ नाटक, माइम एक्ट, चित्रकला, वाद-विवाद, रील/शॉर्ट फिल्म, स्लोगन लेखन एवं स्लैम काव्य के जरिए नशे के दुष्परिणामों और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की सदस्य पुष्पा पाण्डेय ने कहा कि नशा युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा को कमजोर करता है। नशामुक्त युवा ही स्वस्थ समाज और विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, खेल और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। प्रगति मिश्रा, सुनैना सक्सेना एवं श्रद्धा ने गीत-कविताओं की प्रस्तुतियां दीं। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, माय भारत के स्वयंसेवक एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में युवाओं ने नशामुक्त समाज और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया।

गुणवत्ता, नैतिकता और सामाजिक उपयोगिता से बनेगी पहचान : प्रो. के.पी. सिंह

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय के शोध निदेशालय द्वारा अटल सभागार में नेक्स्ट जेन स्कॉलर ओरिएंटेशन कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा तथा कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के मुख्य संरक्षण में आयोजित कॉन्क्लेव में देश-विदेश के विशेषज्ञों ने नवप्रवेशित शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध, रिसर्च इंटीग्रिटी, वैज्ञानिक प्रकाशन, पेटेंट, डिजिटल रिसर्च संसाधन, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और करियर के अवसरों पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में शोध निदेशालय के निदेशक प्रो. आलोक श्रीवास्तव ने निदेशालय की स्थापना, उद्देश्य, कार्यप्रणाली, शोधार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं एवं विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए पूरे कॉन्क्लेव की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य शोधार्थियों को पीएचडी की शुरुआत से ही गुणवत्तापूर्ण, मौलिक और वैश्विक स्तर के अनुसंधान की दिशा देना है।

फोटोजर्नलिस्ट्स सोसाइटी ऑफ बरेली में किया पौधारोपण

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। विश्व फोटोग्राफी दिवस के उपलक्ष्य में फोटोजर्नलिस्ट्स सोसाइटी ऑफ बरेली (उत्तर प्रदेश) की ओर से विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम श्री गुलाब राय इंटर कॉलेज,बरेली के प्रांगण में हुआ। जहां अशोक एवं गुलाब के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के उप प्रधानाचार्य ओमवीर सिंह और शिक्षक व फोटो जर्नलिस्ट ने पौधारोपण किया। उन्होंने संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को विश्व फोटोग्राफी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर संस्था के महामंत्री भानु प्रताप भारद्वाज ने सभी छायाकारों साथियों को विश्व फोटोग्राफी दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छायाकार प्रकृति के बेहद करीब रहता है और एक अच्छे चित्र के लिए सुंदर एवं स्वच्छ पर्यावरण आवश्यक है। उन्होंने छायाकारों से पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अजय अग्निहोत्री प्रवक्ता, निहाल सिंह प्रवक्ता,ओमवीर सिंह, आलोक चौहान कार्यालय प्रमुख,संतोष अवस्थी सहायक कार्यालय प्रमुख, वीरपाल, अशोक कुमार, राजेश चंद्र, वरिष्ठ छायाकार सुनील सिंह, विवेक मिश्रा, उमेश शर्मा, पुत्तन सक्सेना, अतुल गुप्ता, अशोक कुमार गुप्ता, पंकज शर्मा, मोहित सिंह, अरविंदर सिंह मिक्की व ताहिर बेग सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय को राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में विशेष जांच दल द्वारा क्लीन चिट मिलने पर भाजपाइयों ने अयोध्या पहुंचकर उन्हें सम्मानित किया।

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी- युवा अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भाजपा नेता आशीष अग्रवाल ने एक प्रतिनिधि मंडल में सुरेश बंसल, राजेश अग्रवाल, भव्य अग्रवाल के साथ अयोध्या कारसेवक पुरम में विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं राम जन्म भूमि तीर्थ ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चम्पत राय को श्री राम की मूर्ति भेंट करते हुए उन्हें श्री राम के दूत हनुमान की उपाधि देते हुए कहा कि एस आई टी की जांच रिपोर्ट में उन्हें पूरी तरह निर्दोष पाया गया है, जिससे उनके समर्थकों और संत समाज में हर्ष की लहर है। आरोपों के समय उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन सत्य की जीत के साथ ही उनके त्याग, तपस्या और सात्विक जीवन की शुचिता एक बार फिर समाज के सामने प्रमाणित हो गई है।चंपत राय जी का जीवन एक सच्चे राष्ट्र-आराधक, तपस्वी और सात्विक साधक का अनुपम उदाहरण है। अपरिग्रह और आजीवन अविवाहित जीवन चंपत राय जी ने युवावस्था में ही राष्ट्र और भगवान श्रीराम की सेवा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया था। उन्होंने आजीवन अविवाहित रहने का संकल्प लिया। कानूनी लड़ाई के दौरान वकीलों को अकाट्य तथ्य और ऐतिहासिक साक्ष्य चंपत राय जी ने ही जुटाकर दिए थे, जिसके कारण उन्हें आंदोलन का एनसाइक्लोपीडिया (ज्ञानकोश) कहा जाता है। वर्षों के इस लंबे और थका देने वाले संघर्ष के बाद भी जब राम मंदिर बनकर तैयार हुआ, तो उनके भीतर रत्ती भर भी अहंकार नहीं था। वे सदैव श्रेय लेने से पीछे रहे और खुद को केवल रामलला का एक साधारण सेवक मानते रहे। विपरीत परिस्थितियों में भी अडिग धैर्य चंपत राय जी का जीवन आपातकाल (1975) के दौरान 18 महीने जेल में काटने से लेकर राम मंदिर के निर्माण की देखरेख तक, हमेशा अग्निपरीक्षाओं से गुजरा है। हालिया चढ़ावा विवाद के दौरान भी उन्होंने संयम और धैर्य का परिचय दिया। संत समाज का भी हमेशा से यह मानना रहा है कि जिस व्यक्ति ने रामलला के लिए अपनी जवानी और पूरा जीवन खपा दिया, उस पर किसी भी प्रकार का लांछन टिक ही नहीं सकता।एसआईटी की इस क्लीन चिट ने केवल कानूनी औपचारिकता पूरी नहीं की है, बल्कि चंपत राय जी के उसी तपस्वी, बेदाग और निष्काम कर्मयोगी वाले सात्विक स्वरूप को पुनः स्थापित किया है, जिसे अयोध्या का संत समाज और करोड़ों रामभक्त पहले से जानते हैं।

फर्जी आयुष्मान कार्ड का खेल बेनकाब ,पांच गिरफ्तार

47 हजार में बनाया फर्जी कार्ड, 13 आयुष्मान कार्ड और छह कूटरचित आधार बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली/भोजीपुरा। आयुष्मान भारत योजना में फर्जीवाड़ा कर अपात्र लोगों को लाभ दिलाने वाले कथित गिरोह का भोजीपुरा पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने पांच आरोपियों आबिद, सलमान, अरमान, अफरोज और देशरत्न को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से सात मोबाइल, 13 कूटरचित आयुष्मान कार्ड, छह फर्जी आधार कार्ड, राशन कार्ड की 22 पन्ने कूटरचित छायाप्रतियां और 2700 रुपये बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, 18 अगस्त को हरप्रसाद निवासी देवरनिया जागीर की शिकायत पर मुकदमा दर्ज हुआ था। आरोप है कि बेटी का आयुष्मान कार्ड बनवाने के नाम पर उससे 47 हजार रुपये लिए गए और आधार व अन्य दस्तावेजों में कूटरचना कर फर्जी कार्ड तैयार किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी अपात्र लोगों से करीब 35 से 40 हजार रुपये लेकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर आयुष्मान कार्ड बनाते थे। पुलिस के अनुसार, राममूर्ति अस्पताल भोजीपुरा समेत अन्य अस्पतालों में कथित मिलीभगत से अपात्र लोगों का इलाज कराने और सरकारी धनराशि हासिल करने की भी जांच की जा रही है। 19 अगस्त की सुबह सूचना पर पुलिस ने अभयपुर से प्रहलादपुर मार्ग पर राममूर्ति अस्पताल के पीछे ट्यूबवेल के पास घेराबंदी कर पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले में संगठित गिरोह के तथ्य सामने आने पर धारा 111 बीएनएस की बढ़ोतरी की है। नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच जारी है।

बरामदगी में सात मोबाइल, 13 फर्जी आयुष्मान कार्ड, छह कूटरचित आधार कार्ड, राशन कार्ड की 22 पन्ने प्रतियां और 2700 रुपये नकद प्राप्त हुए हैं।

14 से 30 सितंबर जाट रेजीमेंट में अग्निवीर भर्ती की तैयारी तेज, 12 जिलों के हजारों युवाओं की होगी अग्निपरीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भारतीय सेना की अग्निपथ योजना के तहत होने वाली अग्निवीर सेना भर्ती-2026 को लेकर बरेली प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में भर्ती रैली की व्यवस्थाओं को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। सेना अधिकारियों ने बताया कि जाट रेजीमेंट सेंटर बरेली परिसर में 14 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक भर्ती रैली का आयोजन किया जाएगा। इसमें बरेली समेत 12 जनपदों- बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी, शाहजहांपुर, सीतापुर, संभल, पीलीभीत, हरदोई, फर्रुखाबाद और बदायूं से हजारों अभ्यर्थी प्रतिभाग करेंगे।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण और निर्विघ्न ढंग से संपन्न कराई जाए। अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए यातायात, स्वास्थ्य, बिजली, पेयजल, सफाई और परिवहन समेत सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए। भर्ती स्थल पर 108 एम्बुलेंस, चिकित्सकों की टीमें व आवश्यक दवाएं, जनरेटर, रोड रोलर, ट्रैक्टर-ट्रॉली, फायर ब्रिगेड तथा सफाई कर्मियों की व्यवस्था के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए। शैक्षिक प्रमाण पत्रों के सत्यापन और अभ्यर्थियों की सहायता के लिए शिक्षकों की ड्यूटी लगाने को भी कहा गया। ,रोडवेज को भर्ती संबंधी फ्लैक्स लगी बसों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। वहीं नगर निगम द्वारा बायोटॉयलेट, वाटर टैंक, डस्टबिन और सफाई कर्मियों की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। ,प्रशासन और सेना के अधिकारियों ने भर्ती रैली को सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय पर जोर दिया। बैठक में सेना भर्ती कार्यालय के निदेशक रजनीश अइययर, सूबेदार मेजर अनिल कुमार, नायब सूबेदार संजय कुमार समेत जिला प्रशासन, पुलिस, नगर निगम, स्वास्थ्य, लोक निर्माण विभाग और रोडवेज के अधिकारी मौजूद रहे।

बुलडोजर एक्शन, जमीन पर कब्जा करने वालों को नोटिस

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली।शहर में सड़कों, नालों और नगर निगम की जमीन पर हुए अतिक्रमण के खिलाफ अब कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। मंगलवार को देर शाम नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य की अध्यक्षता में संपत्ति और अतिक्रमण विभाग की बैठक हुई। इसमें सीएम ग्रिड फेस-3 और फेस-4 समेत अलग-अलग इलाकों में अतिक्रमण चिन्हित कर नोटिस जारी करने और नियमानुसार कब्जे हटाने के निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि एकता नगर बीडीए कॉलोनी में गली निर्माण की समीक्षा के दौरान सामने आया कि बीडीए अभिलेखों में सड़क की चौड़ाई नौ मीटर दर्ज है,लेकिन भवन स्वामियों द्वारा अतिक्रमण किए जाने के बाद मौके पर सड़क महज चार से पांच मीटर रह गई है। अधिकारियों को अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर सड़क को कब्जा मुक्त कराने के निर्देश दिए गए।

If you want to reduce your gas cylinder consumption, clean your blackened burner without delay; take note of the easiest method.

Do you also feel like your gas cylinder is running out too quickly these days? With rising cooking gas prices, if your cylinder runs out prematurely, it's sure to ruin your budget. We often try various methods to save gas, but often overlook the most important thing in our kitchen: the gas burner. If your burner has turned black or its holes are clogged, the flame emits a yellow or orange flame instead of a blue one. This simply means gas is being wasted and cooking time is also longer. You don't need to buy expensive chemicals to brighten a blackened and dirty burner. You can make it look brand new with things already in your kitchen. Let's learn the easiest methods. Soda and Lemon Remedy - This is an old and effective method that can remove even years-old soot from burners in minutes. What you need: 2 teaspoons of baking soda, the juice of 1 lemon, and a little warm water. How to do it: Pour warm water into a small bowl and mix the lemon juice and baking soda. Now, dip your gas burner in this water and leave it for 15 to 20 minutes. Once the burner is thoroughly soaked, scrub it clean with an old toothbrush or wire scrubber. The burner will shine bright. Quick Cleaning with Eno - If you're short on time and want to clean your burner without much scrubbing, Eno can be your best friend. What you need: 1 packet of Eno, 1 teaspoon of lemon juice, and warm water. How to do it: Place the burner in a vessel and pour hot water over it. Now, add a packet of Eno and a little lemon juice to the water. You will see foam forming immediately. Let it sit for 15 minutes. Then, remove the burner and lightly scrub it with dish soap and a brush. All the dirt will come off with the water. Get a brand-new shine with vinegar: White vinegar is not only useful for cooking but also for removing stubborn stains. What you need: 1/2 cup white vinegar and 1 teaspoon baking soda. How to: Soak the burner in vinegar overnight or for at least 2-3 hours. After removing it, sprinkle a little baking soda on it and scrub it with a brush. The clogged burner holes will open easily. Important things to keep in mind after cleaning: If some burner holes remain clogged even after cleaning, use a needle or safety pin to remove any dirt from those holes. After washing, do not place the burner directly on the gas stove. Wipe it with a clean cotton cloth and dry it thoroughly by placing it in the sun or under a fan for some time. A wet burner will not burn properly. A clean gas burner not only increases the life of your gas cylinder but also cooks food faster, saving you precious time and money.

Check your fitness at home in minutes: These simple self-tests will assess your heart, lungs, and muscle strength.

You can assess your health yourself with the self-tests provided here. Nutritional deficiencies, uncontrolled blood sugar levels, or unbalanced thyroid function all require a blood test. However, if you want to know your body's capacity and whether you're as fit as you should be, you don't need a blood test; you simply need a few simple tests. We can find this out at home. Let's show you how: Stairs Test - If you want to know about your heart and lung health, consider your steps. Choose a place with at least 50-60 stairs. Now, climb the stairs at a steady pace, without stopping or running. If you can climb 4 floors in 1 minute, you should understand that your heart and lungs are healthy. At the same time, climbing stairs in 1.5 minutes means your heart isn't working at full capacity. Deep Squat Hold - This test measures lower body mobility, balance, and flexibility. To perform this test, first place your feet hip-width apart. Keep your heels flat on the ground. Now slowly squat down and hold this position for 30 seconds to 1 minute. Dead Hang - Use the dead hang test to assess upper body health. Grasp the overhead rod with both hands and hold this position for 30 seconds. If you can't hold for 30 seconds, you need to improve your shoulder and grip strength. Single Leg Balance - As the name suggests, this test involves standing on one leg. Stand in one place, close your eyes, and try to balance your body on one leg. Hold this position for 30 seconds. When your body begins to falter, understand that your ankles need stability. Bicep curls - Bicep curls are extremely beneficial for testing upper body strength, especially in the arms and muscles. They are performed by holding dumbbells in your hands and using only elbow movements without moving your body.

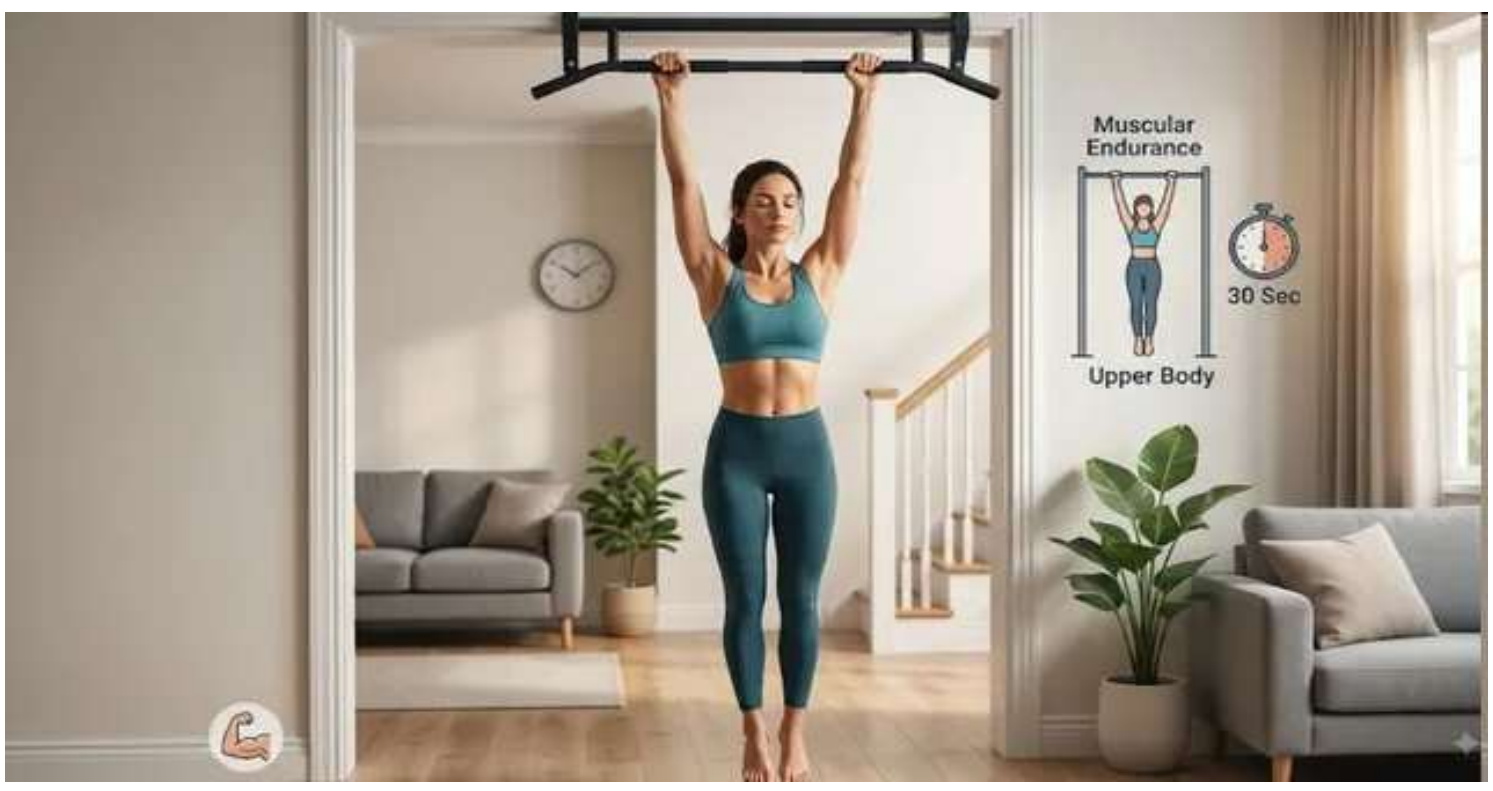

Lahori, Ajmeri, and Kashmiri Gates! Did these routes from Delhi really lead to these cities? Read their true history.

You must have seen many historic gates while traveling in Delhi. Learn their story today! If you set out to visit Delhi today, you'll see gates everywhere, with different names. Some will find Kashmiri Gate, some Ajmeri Gate, and some Delhi Gate. Reading these, it seems as if these gates are secret doors to Kashmir, Ajmer, and Delhi. But do you know the history behind them? Who gave these gates their names, and what was the reason behind them? Let us take you on a journey through Delhi's ancient history. Kashmiri Gate - When traveling outside Delhi, people often head to Kashmiri Gate ISBT, but little is known about its history. This gate was built in the 17th century by Mughal Emperor Shah Jahan. The gate faces northwest, which also represents Kashmir. This is why the gate is called Kashmiri Gate. Historically, Kashmiri Gate has a special connection with the 1857 rebellion. This is because when the freedom fighters began their siege of Delhi, they occupied this very site and planned their strategy. Ajmeri Gate - Shah Jahan had these gates constructed when he founded Delhi under the name Shahjahanabad. One of these gates is the Ajmeri Gate, also built in the 17th century. Located in the southwest, this gate leads to Ajmer Sharif in Rajasthan. Delhi Gate was the main entrance to Shah Jahan's capital, Shahjahanabad. It was the southern gate of his capital. Built of red sandstone, it was used for the movement of royal convoys. It is said that during the Mughal period, the emperor used to offer prayers through this gate. Turkman Gate - If you travel from Connaught Place towards Old Delhi, you will find a gate near the Ramlila Maidan called Turkman Gate. It is not named after any area, but after the Sufi saint Shah Turkman Bayabani. During the Mughal period, a dargah used to be located here. Thus, this gate serves as a gateway to entry and exit, also holding a religious and cultural significance. Mori Gate - The history of Mori Gate is linked to both the Sikhs and the Mughals. In 1783, during the reign of Shah Alam II, the Mughals' terror was increasing. Sikhs rose up against this oppression, and approximately 40,000 Sikh cavalrymen from Punjab, led by Baba Baghel Singh, Jassa Singh Ahluwalia, and Jassa Singh Ramgarhia, marched towards Delhi. Upon learning of this, Shah Alam ordered all gates of Delhi closed. At the same time, the Sikhs discovered a gate through which they could break through the wall and gain entry into the fort. Thus, the place where the Sikhs had made a breach was named Mori Gate. Lahori Gate - The Lahori Gate, the main western gate of the Red Fort, is located in both Delhi and Agra. The royal road leading from this gate led directly to Lahore, which is why Shah Jahan named it Lahori. Today, every year on India's Independence Day, the flag hoisting ceremony and the Prime Minister's speech are organised here.

Film Review: Operation Safed Sagar, The War of Kargil

Netflix's web series, "Operation Safed Sagar," based on the Kargil War, doesn't limit the war to just bullets and bombs, but also explores strategy, diplomacy, and the emotional struggles of the soldiers. The series' showrunner, former Air Force officer Kushal Srivastava, brings a realistic touch to the presentation of military operations. The story begins in the late 1990s, when peace talks were underway between India and Pakistan, along with nuclear tensions. The series then progresses to the Pakistani incursion into Kargil and the ensuing war. Political developments and military decisions are also integral to the narrative. Vinay Pathak and Manu Rishi Chadha are impressive as Nawaz Sharif and Pervez Musharraf. On the Indian side, Siddharth plays Squadron Leader Ajay Ahuja and Jimmy Shergill as BS Dhanoa. Both actors effectively portray the tension and emotion of the soldiers. The series' greatest strengths are its aerial combat scenes. Instead of unnecessarily glamorizing these, the focus is on the technical details, teamwork, and challenges of operations in high-altitude terrain. While Lakshya explored the Kargil War from the ground, Operation Safed Sagar offers a glimpse of the same conflict from the air. The serious subject matter, effective acting, and restrained presentation make it a must-see for those who enjoy war-based series.

"I'd rather be called a dog than a fox," Kangana Ranaut said.

Amid the ongoing debate over Bollywood's role in the student protests, Kangana Ranaut has targeted Naseeruddin Shah. Citing Shah's old comments, Kangana called him a "fox" and questioned his loyalty to the country.

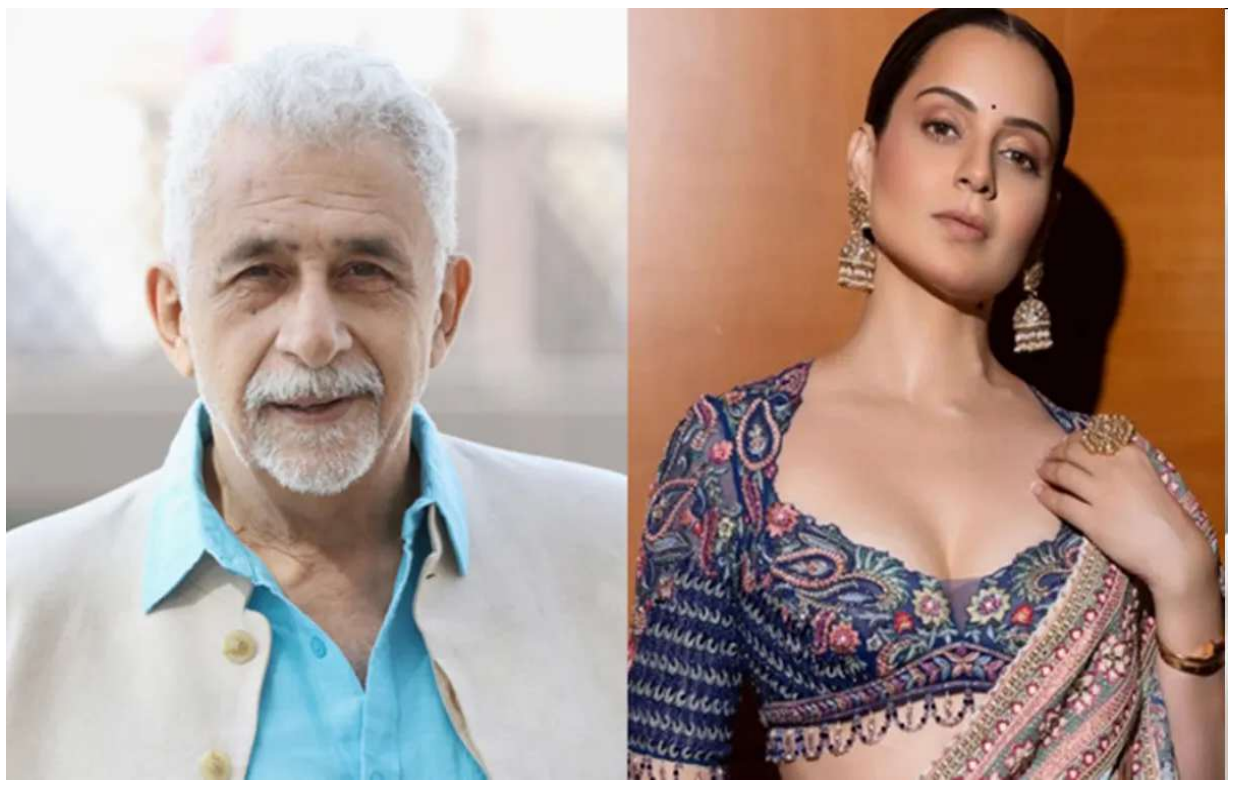

Naseeruddin Shah's comments. and Bollywood's silence, BJP MP and attack on veteran actor Naseeruddin Naseeruddin Shah's old comments, country. Kangana shared a news story Naseeruddin Shah on Instagram. Naseeruddin Shah. Kangana wrote the country she feeds, protects, and questioned his loyalty to the country. further stated in her post that in as loyalty and innocence are rare. She like Naseeruddin Shah. Naseeruddin entire controversy stems from questioned the silence of prominent student movements in the country. He not openly express their opinions amid proverb, saying that a dog with a bone speak only when that "bone" was Naseeruddin Shah. Actor Piyush support of students protesting in Earlier, Piyush Mishra had also reacted to Amidst the ongoing debate over the student protests actress Kangana Ranaut has launched a scathing Shah. In a social media post, Kangana took aim at calling him a "fox" and questioning his loyalty to the about Piyush Mishra's recent statement about Along with this news, Kangana commented on that everyone is someone's "dog," but she is proud of fights for. She targeted Naseeruddin Shah and "I would rather be called a dog than a fox" - Kangana today's times, calling someone a dog is a compliment, said that she would rather be called a dog than a "fox" Shah had questioned Bollywood's silence - In fact, the Naseeruddin Shah's earlier comment, in which he Bollywood celebrities amid the ongoing protests and was asked why many prominent Bollywood actors do the protests. In response, Naseeruddin Shah cited a in its mouth cannot bark. He hinted that he would removed from his mouth. Piyush Mishra also attacked Mishra also reacted to Shah's remarks. Speaking in Ranchi over issues related to the Jharkhand Public Service Commission (JPSC), he referenced Shah's remarks. Piyush Mishra questioned that if some people have bones in their mouths, it should also be asked who has bones in their mouths now. He disagreed with Naseeruddin Shah and said that he no longer fears Naseeruddin Shah. Following Kangana's latest comment, the debate has once again intensified regarding student movements, the role of Bollywood, and the political and social commentary of artists.

Film Review: A Story of Social Prejudice

"Khejri" is a sensitive social drama that poignantly exposes the transgender identity and the social prejudices associated with it in rural India. Directed by Rohit Dwivedi, the film was released in 2018 and is now in 2026. Through personal questions a society that fears, unfamiliar identities and revolves around Khejri, a father, an Ayurvedic doctor, the four walls of their home to cruelty of society. To hide her villagers, he spreads rumors Growing up surrounded by is eager to explore the outside encounters social reality, her completely. The film's greatest Sharma's performance. image of a traditional hero, he portrayed the innocence, pain, Khejri. His body language and perfectly convey the struggle. Rohit Dwivedi's sensitivity of the story. The atmosphere of a closed house, shadow add depth to Khejri's screenplay questions gender hypocrisy without preaching.

available on Stage OTT tragedy, the film rather than accepts, differences. The story transgender child. Her keeps her hidden within protect her from the identity from the that she is unlucky. books and herbs, Khejri world, but when she world changes strength is Ashish Breaking away from the has effectively and inner strength of eye expressions character's inner direction maintains the silence of the desert, the and the use of light and loneliness. The stereotypes and social "Khejri" goes beyond entertainment and is a story about identity, respect, and a person's right to live their own life. It is a thought-provoking film for audiences who enjoy serious and offbeat cinema.